जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, बुधवार 12 जुलाई, 2023

रियल एस्टेट इतिहास में सबसे बड़ी ख़बर

5 महीने में 25 लाख
और पजेशन तक
50 लाख तक का रिटर्न

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

POSSESSION: DEC. 2025

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

1.5 गुना रिटर्न

युनिट टाइप	आज की रेट	अगस्त, 23 की रेट	सितम्बर, 23 की रेट	अक्टूबर, 23 की रेट	नवम्बर, 23 की रेट	दिसम्बर, 23 की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) WALK-UP अपार्टमेंट	45 लाख	47.25 लाख	49.50 लाख	51.75 लाख	54 लाख	56.25 लाख	67.50 लाख	20,000
3 BHK (SF) WALK-UP अपार्टमेंट	50 लाख	52.50 लाख	55 लाख	57.5 लाख	60 लाख	62.50 लाख	75 लाख	22,000
3 BHK (FF) WALK-UP अपार्टमेंट	55 लाख	57.75 लाख	60.5 लाख	63.25 लाख	66 लाख	68.75 लाख	82.50 लाख	25,000
3 BHK BIG कोठी	60 लाख	63.00 लाख	66 लाख	69 लाख	72 लाख	75 लाख	90 लाख	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	70 लाख	73.50 लाख	77 लाख	80.50 लाख	84 लाख	87.50 लाख	1.05 करोड़	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	1 करोड़	1.05 करोड़	1.10 करोड़	1.15 करोड़	1.20 करोड़	1.25 करोड़	1.50 करोड़	50,000

KEDIA

1800 120 2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

उदय होते समय सूर्य लाल होता है और अस्त होते समय भी। इसी प्रकार संपत्ति और विपत्ति के समय महान पुरुषों में एकरूपता होती है।

–कालिदास

चिकित्सा प्रशिक्षण में एमसीआई की महत्वपूर्ण पहल

एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) ने बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है जो तत्काल प्रभाव से लागू भी हो गया है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के 'द अन्डर ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड' ने स्नातक चिकित्सा शिक्षा नियम 2023 जारी किए हैं जो शिक्षा सत्र 2023-24 से लागू होंगे। इसमें पहले तीन सालों के लिए लक्ष्य निर्धारित होंगे। इस नए परिवर्तन के अनुसार भारत में सभी एमबीबीएस छात्रों को दाखिले के पहले दिन से ही अपने चिकित्सा प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में एक परिवार को गोद लेना होगा। इस अभूतपूर्व पहल का उद्देश्य छात्रों को रोगी के स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने वाले सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारकों की व्यापक समझ प्रदान करना बताया गया है। एमबीबीएस पाठ्यक्रम के अनिवार्य घटक के रूप में परिवार गोद लेने की व्यवस्था शुरू करने का निर्णय इस मान्यता से उपजा है कि स्वास्थ्य की देखभाल अस्पतालों और क्लीनिकों की सीमा से परे भी फैली हुई है। छात्रों को परिवारों के साथ संबंध स्थापित करने की चिकित्सा शिक्षा में व्यवस्था करके देश में रोगी की देखभाल के लिए भावी चिकित्सकों को एक समग्र दृष्टिकोण देने की यह पहल की गई है। नए दिशानिर्देशों के तहत, प्रत्येक एमबीबीएस छात्र को एक परिवार सौंपा जाएगा जिसके साथ वे अपने चिकित्सा प्रशिक्षण के दौरान दीर्घकालिक संबंध विकसित करेंगे। छात्र उस परिवार के चिकित्सा इतिहास और उसकी सामाजिक व आर्थिक स्थितियों को ही नहीं समझ पाएंगे बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं तक उन परिवारों के सदस्यों की पहुंच में आने वाली किसी भी चुनौती को समझने के लिए भी तैयार होंगे। छात्रों को यह अनुभव देने का उद्देश्य उनके नैदानिक कौशल को बढ़ाना और रोगी के संदर्भ के बारे में उनकी समझ को गहरा करना है। देश भर के मेडिकल कॉलेज इस परिवर्तनकारी बदलाव को लागू करने के लिए कमर कस रहे हैं, जिससे अनेकों को भारत में चिकित्सा शिक्षा में क्रांति आने की उम्मीद है। हालांकि इस पर संदेह करने वाले भी कम नहीं हैं। एमसीआई का मानना है कि नई व्यवस्था से एमबीबीएस पाठ्यक्रम के छात्र स्वास्थ्य देखभाल पर विभिन्न सामाजिक निर्धारकों के परिणामों को प्रत्यक्ष देख सकेंगे। उनकी अनुभवात्मक शिक्षा उन्हें मूल्यवान अंतर्दृष्टि देगी जिससे उन्हें और अधिक सहानुभूति वाले बेहतर चिकित्सक बनने में मदद करेगी। इस व्यवस्था के समर्थकों का मानना है कि परिवार गोद लेने का कार्यक्रम सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाट देगा, जिससे स्वास्थ्य देखभाल अधिक रोगी-केंद्रित हो सकेगी। दूसरी ओर, इस व्यवस्था के आलोचक समय, संसाधनों के प्रबंधन, और छात्र-पारिवारिक संबंधों को बनाए रखने में आने वाली संभावित चुनौतियों का हवाला देते हुए, इस तरह के कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर लागू करने की व्यवहार्यता पर प्रश्न उठाते हैं। इन आशंकाओं के चलते चिकित्सा शिक्षा के लिए इस नवीन प्रयोग के शुरुआती परिणामों का सभी को इंतजार रहेगा। कहा जा रहा है कि इसके सफल होने पर अपने चिकित्सा पाठ्यक्रम में समग्र रोगी देखभाल को शामिल करने के इच्छुक अन्य देशों के लिए परिवार गोद लेने की यह भारतीय पहल एक प्रतिमान प्रस्तुत कर सकती है। हालांकि कठोर एमबीबीएस पाठ्यक्रम के साथ इसका प्रबंध करना चुनौतीपूर्ण होगा।

चिकित्सा शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी से छात्रों को जनता की जीवन स्थितियों का पता चलता है तथा ये परिस्थितियां किस प्रकार आम लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं, उसकी भी समझ उनमें बनती है। मेडिकल छात्रों का अस्पतालों में मरीजों के रूप में जिन लोगों का सामना होता है उनके असली जीवन के हालात का सीधा अनुभव उन्हें सामुदायिक सहभागिता देती है। इससे छात्र यह भी समझ पाते हैं कि स्वास्थ्य के विभिन्न निर्धारक वास्तविक जीवन में रोगियों को कैसे प्रभावित करते हैं। चिकित्सा प्रशिक्षण में नए प्रयोग का दोहरा फायदा होगा। एक तरफ सामुदायिक जुड़ाव मेडिकल छात्रों को चिकित्सा की विशिष्टता देगा तो दूसरी तरफ उनके चिकित्सा संस्थानों की सेवाओं का लाभ भी लोगों के द्वार तक पहुंचेगा। मेडिकल छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह जिस परिवार से जुड़े, उसके सदस्यों के स्वास्थ्य को समझे तथा संबंधित परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल को बेहतर बनाने में मदद करे जिससे अंततोगत्वा समुदाय के स्वास्थ्य की देखभाल सुनिश्चित हो सके। इस व्यवस्था से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज हासिल करने में भी मदद मिलने की अपेक्षा की जा सकती है। यह नई व्यवस्था अपनी चुनौतियां और अवसर दोनों साथ ले कर आई है। इसमें कोई शक नहीं कि प्रत्येक छात्र को परिवार आवंटित करके और पूरे स्नातक अवधि में लगातार संपर्क को बनाए रखते हुए इस कार्यक्रम को लागू करना एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। इसके लिए नई व्यवस्था के कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में कुछ चयनित संस्थानों में फीडबैक प्राप्त करना आवश्यक होगा जिससे कि संस्थानों की समुदायों तक पहुंच बनाने की व्यवस्थाओं का मूल्यांकन हो सके और उनके नतीजों से अन्य भी सीख सके। माना जा रहा है कि इस नई व्यवस्था का चिकित्सा शिक्षा पर कई मायनों में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जैसे कि संपन्न वर्ग के छात्रों के लिए यह इसलिए उपयोगी होगा, क्योंकि वे जिस वर्ग से आते हैं उन्हें सामान्य मरीजों की पृष्ठभूमि के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। प्रत्येक छात्र को इस बारे में सोचेगा पड़ेगा कि वह मरीजों की सभी बाधाओं के संदर्भ में, उनकी सर्वोत्तम सहायता कैसे कर सकता है! नई व्यवस्था से छात्रों का अपने लोगों और अपने देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी पैदा होगा जो उन्हें आमजन की सेवा के लिए प्रेरित करेगा। केवल यह सीखने के साथ कि परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण विषय क्या हैं, छात्र यह भी जानेंगे और सीखेंगे कि वास्तव में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्याएं क्या हैं? भावी चिकित्सक प्रत्यक्ष जान पाएंगे कि आम जनता में स्वास्थ्य को लेकर कैसी भ्रांतियां बनी हुई हैं। ऐसे हालात में वे खुद कितने प्रासंगिक बन सकते हैं और लोगों के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर पाते हैं यह देखना दिलचस्प होगा।

नई व्यवस्था का चिकित्सा शिक्षा पर कई मायनों में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जैसे कि संपन्न वर्ग के छात्रों के लिए यह इसलिए उपयोगी होगा, क्योंकि वे जिस वर्ग से आते हैं उन्हें सामान्य मरीजों की पृष्ठभूमि के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। प्रत्येक छात्र को इस बारे में सोचेगा पड़ेगा कि वह मरीजों की सभी बाधाओं के संदर्भ में, उनकी सर्वोत्तम सहायता कैसे कर सकता है!

अस्पताल का माहौल अलग होता है। वहां संचार एक डॉक्टर द्वारा नियंत्रित होता है और आम तौर पर वातावरण स्वाभाविक ही बहुत तनावपूर्ण रहता है। वहां केवल जरूरी बातें की जाती हैं। मगर गोद लिए परिवार में किसी भी विषय पर बात हो सकती है, यहां तक कि पड़ोसियों के स्वास्थ्य के बारे में भी गपशप संभव है। इससे चिकित्सा विद्यार्थी को तो लाभ होगा किन्तु कुछ लोग ऐसा भी सोचते हैं कि गोद लिए परिवार को शायद बहुत लाभ न हो क्योंकि विद्यार्थियों के पास बहुत सीमित ज्ञान होता है। इसलिए बहुतों को नहीं लगता कि इससे समुदाय को या सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की उपलब्धि प्राप्त करने में बड़ी मदद मिलेगी। यदि परिवार के पास पहले से ही कोई विश्वसनीय डॉक्टर है, तो वे मेडिकल छात्र पर ध्यान नहीं देंगे। इस सच्चाई से इन्कार नहीं किया जा सकता कि देश में हेल्थकेयर कवरेज तेजी से बढ़ा है। ऐसी हालत में मध्यम वर्ग में तो हर कोई किसी न किसी डॉक्टर को जानता है। फिर भी ग्रामीण इलाकों में या कमजोर तबकों में यह व्यवस्था मूल्यवान साबित हो सकती है। इसे हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लिए एक नया चलन स्थापित करने के अवसर के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे फैमिली डॉक्टर सिस्टम शायद वापस आ पाये और लोग सीधे ही विशेषज्ञों के पास भागना छोड़े। इस व्यवस्था के लिए संसाधनों की बात भी आएगी और चिकित्सा शिक्षा ले रहे छात्रों के परिवारों के साथ हेल-मेल से दोनों का एक-दूसरे पर क्या प्रभाव पड़ेगा यह भी भविष्य के गर्भ में है। चिकित्सा विद्यालयों में अब छात्रों की भर्ती का जो तरीका है उसमें उनको ऐसे राज्यों या इलाकों में सीट आवंटित हो सकती है जो उनकी अपनी भाषा वाली नहीं है। विद्यालय में तो अंग्रेजी में पढ़ाई हो जाती है, मगर छात्र जब उन इलाकों के परिवारों के साथ जुड़ेंगे तब भाषा की कठिनाई भी आएगी। यह भी सवाल पूछा जा रहा है कि स्कूलों से निकल कर एमबीबीएस के प्रथम वर्ष में भर्ती हुए किशोरों को मैदान में भेजा जाएगा तो क्या वे जिम्मेवारी संभाल पाएंगे? उन्हें अभी एक डॉक्टर होने का एहसास नहीं हुआ है। ऐसे में वे जनता का विश्वास कैसे जीत पाएंगे? नई व्यवस्था पर सवाल उठाने वालों का कहना है कि अगर छात्र सीखने जाएंगे तो इससे कोई फायदा नहीं होने वाला। यह ऐसा ही है जैसे किसी एनसीसी के कैडेट को युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया जाय। दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि चिकित्सा छात्रों के लिए सत्र का पहला दिन ही वह धारणा बनाने का सही समय होता है जिससे उन्हें अपने पूरे जीवन में निपटना है। चिकित्सा विज्ञान का जो ज्ञान छात्र हासिल करता है उसे नई व्यवस्था प्रासंगिक बनायेगी। नई व्यवस्था के समर्थक उचित ही कहते हैं कि जब चिकित्सा के छात्रों का प्रारंभिक क्लिनिकल एक्सपोज़र पहले वर्ष से ही होता है तब उन्हें प्रारंभिक सामुदायिक एक्सपोज़र क्यों नहीं दिया जा सकता? किन्तु नई व्यवस्था की सफलता के लिए मेडिकल कॉलेजों के संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित किया जाना होगा ताकि वे छात्रों को पारिवारों को गोद लेने की प्रक्रिया को सहज लागू कर सकें और उनका उचित मार्गदर्शन कर सकें। भारतीय चिकित्सा परिषद् (एमसीआई) को इस नए पाठ्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए इसकी प्रगति और प्रभावशीलता की बारीकी से सतत निगरानी करनी होगी तथा यह सुनिश्चित करना होगा कि नई व्यवस्था कर्मकांड बन कर न रह जाय।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

उदयपुर जिले में कथौड़ी जनजाति के एक हजार तीन सौ पचास परिवार निवास करते हैं

पन्नालाल मेघवाल

वर्तमान में उदयपुर जिले की झाडोल एवं कोटडा तहसील के विभिन्न 28 गांवों में 1 हजार 350 परिवार निवास करते हैं। झाड़ोल तहसील के ओगणा में 180, कुकड़ा खेड़ा में 150, समीजा में 250, हथनी (पडावली कलां के पास) 50, कालिया घाटी 20, बिरोटी में 45, देवनवाड़ा (बिरोटी से ऊपर) 25, खराड़ी फला (नया गांव के ऊपर) 40, गामडी 15, जाड़ा पीपला 25, पानरवा 20, गुराड़ 100, सुरीमाला 50, काडा 50, हेवड़ा 5, मांडवा 10, केऊड़ी 15, जाड़ा आंकला 20, डैय्या 35, बूझा 100, अंबासा 25 एवं अंबावी में 30 परिवार निवास करते हैं। कोटडा तहसील के बेड़ादर में 10, लाडन (जुड़ा के पास) 40, कऊचा 5, तलई (मेरपुर से आगे) 20, धनुधर (कागवास के पास) 15 परिवार निवास करते हैं।

झाडोल तहसील के ओगणा गांव में 180 परिवार निवास करते हैं। यहां पर अधिकांश परिवार एक कमरा और बरामदे वाले पक्के घरों में रहते हैं। सरकार ने इन्हें पक्के घर इंदिरा आवास योजना एवं स्वच्छ परियोजना के तहत निर्मित कर उपलब्ध कराए हैं। सरकार की ओर से यहां मां-बाड़ी एवं आंगनबाड़ी संचालित है।

यहां से दस लोगों ने स्नातक तक शिक्षा ग्रहण की है। श्री सोहनलाल नायक यहां के मुखिया हैं। सोहनलाल ने स्नातक तक शिक्षा ग्रहण की है। वे ओगणा के उप सरपंच रह चुके हैं। उनका राजनीति में वर्चस्व है। उनके पिता श्री गणेशलाल नायक किराना की दुकान चलाते हैं। यहां के तीन परिवार व्यवसाय करते हैं। यहां के परिवारों का जीवन कृषि मजदूरी, लकड़ी के कोयले बनाना, बांस काटना आदि जंगलात के कामों पर निर्भर है।

कूकराखेड़ा गांव में 150 परिवार निवास करते हैं। यहां के मुखिया श्री कागूराम नायक है। यह दसवीं तक पढ़े लिखे हैं। इनके दो पुत्र एवं दो पुत्रियां हैं। सभी पढ़े लिखे हैं। यहां के पांच लोग स्नातक एवं पन्द्रह लोग बारहवीं तक पढ़े-लिखे हैं। यहां संचालित मां-बाडी में तीस बच्चे पढ़ते हैं। यहां के लोग कोयला बनाने के लिए जोधपुर, पाली एवं सिरोही जाते हैं। कुछ परिवार वन विभाग द्वारा लगाए जाने वाले पेड़ों के लिए खड्डा खोदने एवं वन विभाग की दीवार बनाने के कार्य में भी जुटे हुए हैं।

समीजा में 250 परिवार निवास करते हैं। यहां के अधिकांश परिवार आंवला प्रोसेसिंग कार्य में जुटे हुए हैं। यहां पर आंवले की एक बाडी है। इस बाडी में 200 आंवले के पेड़ हैं। यहां के परिवार इस बाडी से आंवले एकत्रित कर अपने घरों में लाते हैं। इन आंवलों को पानी में उबाल कर सुखा देते हैं। सूखे हुए आंवलों को बाजार में बेच देते हैं। यहां के परिवारों का जीवन यापन आंवला प्रोसेसिंग कार्य पर निर्भर है। पडावली के पास हथनी, कालिया घाटी, बिरोटी, देवनवाड़ा, खराड़ी फला, गामडी एवं जाडा पीपला परिवारों का जीवन यापन कोयला बनाने, लकड़ी और बांस काटने, खेती मजदूरी, मकानों में काम करने एवं लघु वन उपज पर निर्भर है।

गुराड़ गांव में 100 परिवार निवास करते हैं। सन् 1960 के दशक में महाराष्ट्र से नागजी, कासू, रामा, माहरु, गाऊ एवं सईलू आदि 6-7 परिवार गुराड़ में बसे थे। अब यहां 100 परिवारों की बस्ती हो गई है। अब कथौड़ी जनजाति के लोग पढ़ने लगे हैं। यहां से सीला पत्नी सज्जू नायक स्नातक है। मुन्नी पत्नी संजू दसवीं पास है। ये दोनों काडा मां-बाड़ी में अध्यापिकाएं हैं। काडा एवं सूरीमाला में 50-50 परिवार निवास करते हैं। यहां के अधिकांश लोग गुजरात, जालौर, सिरोही, पिंडवाड़ा क्षेत्रों में कोयला बनाने के कार्य में लगे हुए हैं। कोयला ठेकेदार के एजेंट उन्हें मजदूरी पर ले जाते हैं। ये लोग वहां बबूल की लकड़ी काटते हैं और भट्टी लगाकर कोयला बनाते हैं।

पानरवा, हेवड़ा, मांडवा, केऊड़ी, जाडा-आंकला, डैय्या, बुझा, अंबासा एवं अंबावी में निवास करने वाले परिवारों में से कुछ परिवार खेती-बाड़ी करते हैं। ये परिवार बकरियां और मुर्गियां रखते हैं। बाकी अधिकांश परिवारों का जीवन खेती में मजदूरी करने और लघु वन उपज पर निर्भर है।

कोटडा तहसील के बेडादर, लाडन, कऊचा, तलाई एवं धनुधर के परिवार बांस के हस्त उद्योग में संलग्न है। ये परिवार डागले (मचान) पर मक्का सुखाने के लिए बांस का टाटा बनाते हैं। झोपड़ी में लगाने के लिए बांस के दरवाजे, टोपले, टोपली, अनाज साफ करने के लिए सूपड़ा बनाते हैं। मछली पकड़ने के लिए बांस के पिंजरे बनाते हैं। बिछाने के लिए खजूर के पत्तों की दरियां बनाते हैं। इन परिवारों का जीवन जंगल से लकड़ियां एवं बांस काटने तथा लघु वन उपज पर आधारित है।

–पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार

गीतांजलि यूनिवर्सिटी में दीक्षान्त समारोह-2023 आयोजित

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली यूनिवर्सिटी द्वारा दीक्षान्त समारोह-2023 का आयोजन यूनिवर्सिटी के स्व. नर्मदा देवी अग्रवाल ऑडिटोरियम में किया गया। दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि पूर्व एम्स डायरेक्टर पदम् डॉ. रणदीप गुलेरिया, गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन व गीतांजली यूनिवर्सिटी के चांसलर जे.पी अग्रवाल रहे।

- **डॉ. सुनंदा गुप्ता, डॉ. ए.के. गुप्ता एवं डॉ. अब्बास अली सैफी को उनके चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया**
- **एम.बी.बी.एस, फार्मेसी, नर्सिंग, डेंटल, फिजियोथेरेपी के 42 गोल्ड मेडल्स एवं 511 ग्रेजुएट्स, पोस्ट ग्रेजुएट व पी.एच.डी विद्यर्थियों को डिग्रीयां प्रदान की गई**

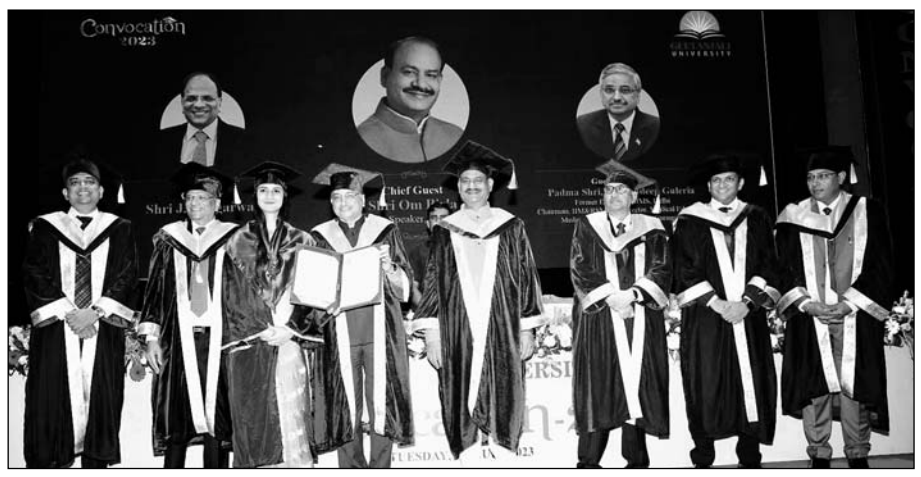

दीक्षान्त समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि डॉ. रणदीप गुलेरिया, गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन व गीतांजलि यूनिवर्सिटी के चांसलर जे.पी अग्रवाल ने प्रतिभाओं को स्मामानित किया।

एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने बताया कि राजनीति के क्षेत्र में भारतीय लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की समर्पण और योगदान, उनके नेतृत्व कौशल और सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें अपने साथियों और घटकों के बीच सम्मान और मान्यता दिलाई है। लोकसभा अध्यक्ष के रूप में, वह भारत के संसदीय लोकतंत्र के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। अंकित ने पदम् डॉ. रणदीप गुलेरिया की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के बाद से डॉ. रणदीप गुलेरिया हर घर में जाना-पहचाना चेहरा हैं। वह कोविड समय के दौरान नीतियों और क्लिनिकल प्रोटोकॉल के वास्तुकारहैं। भारत के कोविड-19 प्रतिक्रिया प्रयास का एक हिस्सा है। हम उनके आभारी हैं आम जनता के साथ-साथ चिकित्सा कर्मियों को उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए मार्गदर्शन किया। वह इसके लिए भारत सरकार के सलाहकार थे। उनके अडिग रवैये ने महामारी में भारतीय पत्रकारों के कई सवालों का सामना किया है। साथ ही अंकितजी ने और साथ ही कोन्वोकेशन के लिए एकत्रित हुए सभी विधार्थियों व उनके माता-पिता का भी स्वागत किया।

मुख्य अतिथि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि पूर्व एम्स डायरेक्टर पदम् डॉ. रणदीप गुलेरिया, चांसलर जे.पी. अग्रवाल द्वारा गीतांजली यूनिवर्सिटी के एम.बी.बी.एस, फार्मेसी, नर्सिंग, डेंटल, फिजियोथेरेपी के 42 गोल्ड मेडल्स एवं 511 ग्रेजुएट्स, पोस्ट ग्रेजुएट व पी.एच.डी विद्यर्थियों को डिग्रीयां प्रदान की गई। साथ ही साथ ही तीन उपाधि से डॉ. सुनंदा गुप्ता, डॉ. ए.के. गुप्ता एवं डॉ. अब्बास अली सैफी को उनके चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया। गीतांजली यूनिवर्सिटी के चांसलर जे.पी अग्रवाल ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को सप्रेम आभार प्रकट किया व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्नातक अंत नहीं है, बल्कि एक लंबी यात्रा की शुरुआत है, इस यात्रा में, आपको समाज की भलाई के लिए विनम्रता और करुणा के साथ अपनी पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए। रोगियों का इलाज करते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आप केवल शरीर का इलाज नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनके स्वास्थ्य को लेकर उनके मन में जो चिंताएं और शंकाएं हैं, उनका भी इलाज कर रहे हैं। उनकी चिंता को कम करने का प्रयास करें और उन्हें आत्मविश्वास और आशा दें।

मातृ शिशु अस्पताल छह माह से बंद

चूरू में सामाजिक संगठनों का 17 दिन से धरना जारी

चूरू, (कासं)। शहर में गढ़ परिसर स्थित मातृ एवं शिशु अस्पताल पिछले छह महीने से बंद पड़ा है। इस अस्पताल में प्रसव सुविधा शुरू करवाने की मांग को लेकर पिछले 17 दिनों से चूरू एकता मंच के बैनर तले धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। शहर के लोगों ने मंगलवार को गढ़ चौराहे पर एकत्रित होकर जिला प्रशासन व मेडिकल कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग को ज्ञापन सौंपा।

- **लोगों ने प्रदर्शन कर प्रसव सुविधा शुरू करवाने की मांग**

चूरू एकता मंच के जिलाध्यक्ष विनोद राठी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने गढ़ अस्पताल में महिला गायनिक डॉक्टर की कमी का हवाला देते हुये प्रसव व्यवस्था शुरू करवाने के लिए स्पष्ट मना कर दिया। इस मामले में सीएमएचओ सहित अस्पताल प्रशासन हाथ पर हाथ रखे बैठा है।

सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि 17 दिनों से धरने पर बैठे हैं। इस दौरान मंगतुराम चोटिया ने कहा कि इस अस्पताल के बंद होने से शहर के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सत्यनारायण व्यास ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के आने के बाद गढ़ स्थित मातृ शिशु अस्पताल को बंद किया जा रहा है, जिसका शहर की जनता में भारी विरोध है। अगर समय रहते हुये अस्पताल को वापस शुरू नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा और बाजार बंद किए जाएंगे। धरने में प्रेमचंद बगड़िया, एडवोकेट सुरेश कल्ला, कपिल चंदेल, कमल चोटिया, सुरेश सारस्वत, जय प्रकाश बरोड, सुशील शर्मा, पार्षद राकेश दाधीच, रवि दाधीच, दिनेश लाटा, संदीप पाटिल, गौरीशंकर पाटिल, नितेश ओझा व सुरेन्द्र पीपलवा आदि मौजूद थे।

आर.बी.आई. को भेजे नोटों में 100 रुपए के नकली नोट मिले

बीकानेर, (निसं)। यहां के रानी बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को भेजे गए पुराने नोटों में कई नकली और फर्जी नोट बरामद हुए हैं। दो अलग-अलग बंडल में सात-सात नोट फर्जी पाए गए हैं। इस संबंध में गांधी नगर जयपुर में मामला दर्ज कराया गया, जो अब कोटगेट थाने में शिफ्ट हुआ है।

आरबीआई की सहायक महाप्रबंधक तृप्ति तोसावरा ने एफआईआर में कहा है कि बीकानेर के रानी बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक की ओर से भेजे गए गंदे और पुराने नोट में सौ रुपए के सात नकली नोट संदिग्ध मिले थे। इनकी जांच कराने पर ये नकली पाए गए हैं। इसी तरह एक और एफआईआर में भी ये ही आरोप लगाया गया है। एफआईआर जयपुर के गांधी नगर थाने में दर्ज करवाई गई, जहां से बीकानेर के कोटगेट थाने में शिफ्ट कर दी गई है। दोनों मामलों की जांच अब उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार को सौंपी गई है। आरबीआई ने पहली बार किसी बैंक से नकली नोट प्राप्त होने का मामला दर्ज नहीं कराया है, बल्कि इससे पहले भी कई बैंकों में ऐसे नोट मिलते रहे हैं। बीकानेर में भारी संख्या में नकली नोट मिलते रहे हैं। यहां वृंदावन कॉलोनी के एक मकान से नकली नोट छापने के प्रिंटर सहित बड़ी राशि मिल चुकी है। इस संबंध में पुलिस ने गिरफ्तारियां भी की। आज भी कोटगेट थाने में इनकी जांच हो रही है। जिले में नकली नोट से संबंधित सभी मामले कोटगेट थाने में ही दर्ज होते हैं।

राशिफल बुधवार 12 जुलाई, 2023

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम सावन मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, भरणी नक्षत्र सांय 7:44 तक, धृति योग प्रातः 9:40 तक, वणिज करण प्रातः 6:06 तक, चन्द्रमा रात्रि 1:58 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मेष, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 7:44 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रातः 6:02 से सांय 6:00 तक है। बुध उदय पश्चिम रात्रि 1:33 पर होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:09 तक, शुभ 10:50 से 12:32 तक, चर 3:56 से 5:38 तक, लाभ 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:20

मेष
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मानसिक तनाव बना रहेगा। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों से सहयोग मिलेगा।

सिंह
शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। शुभ कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। भावनात्मक कारणों से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर
घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में मानसिक तनाव बना रहेगा। महत्वपूर्ण मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू
Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 75 प्रभात चूरू, बुधवार 12 जुलाई, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

"अमृत काल" अब "कर्तव्य काल" बना

2004 के चुनाव में भाजपा का "इण्डिया शाइनिंग" का नारा फेल हो गया था, अतः एहतियात बरतते हुए, प्र.मंत्री मोदी ने 2024 के चुनाव में "अमृत काल" के नारे को बदल कर "कर्तव्य काल" के रूप में प्रस्तुत किया है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- 2004 में अप्रत्याशित रूप से भाजपा हार गई थी, तथा कांग्रेस ने केन्द्र में सरकार बनायी थी।
- भाजपा के "इण्डिया शाइनिंग" नारे को शहरी इलाकों में तो कुछ समर्थन मिला, पर, ग्रामीण जनता इस अति आशावादी नारे से अछूती रही थी।
- भाजपा के "शाइनिंग इण्डिया" के जवाब में कांग्रेस ने सीधा-साधा नारा दिया थाः "भारत निर्माण"।
- भाजपा 2004 की गल्तियाँ दोहराना नहीं चाहती इस बार, अतः चुनाव से पूर्व नारा बदला है।
- साथ ही भाजपा अध्यक्ष नड्डा के कटाक्ष, "राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान नहीं" बल्कि, नफरत का मेगा शापिंग मॉल खोल रहे हैं, को भाजपा विचारक खास पसंद नहीं कर रहे, क्योंकि नड्डा के कटाक्ष से राहुल के नारे की बेवजह याद ताजा हो जाती है।
- अमृत काल से "इण्डिया शाइनिंग" की भांति मैसेज जाता है कि, विकास की स्थिति देश ने पा ली है और "कर्तव्य काल", भारतीय नागरिकों को विकास की ओर अग्रसर होने के लिये, कर्तव्य करने को प्रेरित करता है।

नई दिल्ली, 11 जुलाई। भाजपा इस समय स्लोगन- अभियान में संशोधन कर रही है और "अमृत काल" (आजादी के अगले 25 साल के संदर्भ में) को नया नाम "कर्तव्य काल" दे दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह कहते हुये उद्धृत किया गया है: "आजादी के अगले 25 साल हमारा "कर्तव्य काल" होंगे। आजादी के 100 साल के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुये, हमने हमारे "अमृत काल" को "कर्तव्य काल" नाम दे दिया है।"

"अमृत काल" के नारे का उपयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले 75 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान उस समय किया था, जब उन्होंने अगले 2 वर्षों के लिये देश की नई रुपरेखा का अनावरण किया था।

इसलिये प्रश्न यह है - भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिये अपने प्रचार के मुख्य स्लोगन का नाम बदलने का निर्णय क्यों लिया है।

जाहिर है, पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के "इंडिया शाइनिंग" नारे की असफलता का पार्टी के वर्तमान नेतृत्व के मन पर भारी दबाव है। "इंडिया शाइनिंग" नारे के प्रति शहरी क्षेत्रों में तो कुछ मात्रा में झुकाव था लेकिन यह ग्रामीण क्षेत्र के मन के तारों का झंकृत नहीं कर पाया था और इस प्रकार 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए की अप्रत्याशित जीत का मार्ग प्रशस्त हो गया था। कांग्रेस उस समय "भारत - निर्माण" का बड़ा सीधा-सादा नारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है। ?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिज़्म
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

रोचक चर्चा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। अशोक गहलोत सरकार में मंत्रियों का एक ऐसा ग्रुप है, जिसने बहुत पैसा कमाया है।

ये मंत्रीगण मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नज़दीक हैं तथा इन्हें

- 'आप हमें विधानसभा चुनाव में ज्यादा ना उघाड़ें, हम आपकी लोकसभा चुनाव में पूरी मदद करेंगे'

सौदेबाजी करने तथा पैसा बनाने का खुला लाइसेंस मिला हुआ है।

वरिष्ठ नौकरशाहों, जिनमें से कई तो इन मंत्रियों से भी ज्यादा भ्रष्ट हैं, के साथ इनकी मिली भगत है।

मंत्रियों और अफसरशाही ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्कूली छात्राओं पर हमला

मांडलगढ़ 11 जुलाई (निस)। उपखण्ड के महुआ गांव में मंगलवार को

- मांडलगढ़ के महुआ गांव में कुछ शरारती तत्वों ने स्कूली छात्राओं पर चाकू, पत्थर व ज्वलनशील पदार्थ फेंका। इससे चार छात्राएं घायल हो गईं।

राजकीय महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार व अजीत पवार आमने-सामने होंगे मोदी के समक्ष

मौका होगा, पुणे में प्र.मंत्री मोदी को लोकमान्य तिलक अवॉर्ड से सम्मानित करने का तथा शरद पवार, मुख्य अतिथि होंगे इस समारोह में और अजीत पवार संभावित अतिथि

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अन्य आमंत्रित अतिथि हैं, महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मु.मंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नविस व अजीत पवार।

नई दिल्ली, 11 जुलाई। एन.सी.पी. के संस्थापक और पार्टी के वरिष्ठतम नेता शरद पवार अपने विद्रोही भतीजे और लंबे राजनैतिक सफर के साथी अजीत पवार से 1 अगस्त को आमने-सामने होंगे, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाएगा।

आमतौर पर यह अवसर शर्मिंदा करने वाला हो सकता है, लेकिन आज की राजनीति में कुछ भी संभव है इसलिए आयोजकों ने शरद पवार को मुख्य अतिथि बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी को इस पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है जिसमें एक स्मृति चिन्ह, एक स्मृति पत्र दिया जाएगा, उनके कुशल नेतृत्व तथा नागरिकों में देशभक्ति जगाने के लिए।

आयोजकों ने कहा कि शरद पवार को मुख्य अतिथि बनाया गया है जबकि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार केवल आमंत्रित हैं।

ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपक तिलक ने एक विज्ञप्ति में कहा, "तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट (हिंद स्वराज संघ) 1 अगस्त को लोकमान्य तिलक की 103वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करेगा।"

ऐसा कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विचार और नेतृत्व के कारण भारत विकास की सीढ़ियाँ चढ़ा।

विज्ञप्ति में कहा गया, "प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों में देशप्रेम की भावना जगाई और भारत को विश्व के नक्शे तक पहुँचाया। उनके प्रयासों को देखते हुए तिलक स्मारक मंदिर के ट्रस्टियों ने एकमत से उनको सुना।

अन्य आमंत्रितों में शामिल हैं महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और अजीत पवार।

ज्ञातव्य है कि राज्य की राजनीति में भूचाल लाते हुए अजीत पवार और एन.सी.पी. के आठ विधायक 2 जुलाई को शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए।

अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली, उसके बाद शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी को एन.सी.पी. नेताओं के भ्रष्टाचार के उनके हाल के बयान याद दिलाए और दोषियों पर कार्यवाही की मांग की।

शरद पवार ने कहा, "ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री ने एन.सी.पी. और उन सब को दोषमुक्त कर दिया है जिन पर उन्होंने आरोप लगाए थे। मुझे आज खुशी है कि उन्होंने एन.सी.पी. के कुछ साथियों को मंत्री पद दिया। इससे साबित होता है कि भ्रष्टाचार के आरोप तथ्यात्मक नहीं थे। मैं इसके लिए प्रधानमंत्री का आभारी हूँ।"

27 जून को भोपाल में भाजपा के बूथ स्तर कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए मोदी ने कहा था कि एन.सी.पी. के खिलाफ करीब 70 हजार करोड़ रूपए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खेतड़ी ट्रस्ट को मिली खेतड़ी के पूर्व राजा की सम्पत्ति

जयपुर, 11 जुलाई (का.सं.)। दिल्ली हाईकोर्ट ने खेतड़ी राजघराने के पूर्व राजा राय बहादुर सरदार सिंह के जयपुर के चांदपोल बाजार स्थित खेतड़ी हाउस सहित करीब 2500 करोड़ रुपए की संपत्तियों के वसीयत के विवाद में खेतड़ी ट्रस्ट के पक्ष में फैसला दिया है। इसके साथ ही वसीयत की प्रोबेट ट्रस्ट के

- दिल्ली हाई कोर्ट ने माना है कि, खेतड़ी के पूर्व राजा रायबहादुर सरदारसिंह के जयपुर के खेतड़ी हाउस सहित 2500 करोड़ रूपए की सम्पत्ति खेतड़ी ट्रस्ट की है।

पक्ष में जारी करने को कहा है। खंडपीठ ने एकलपीठ के 3 जुलाई, 2012 के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें एकलपीठ ने पूर्व राजा की वसीयत पर संदेह पैदा करते हुए ट्रस्ट के पक्ष में प्रोबेट जारी करने से इनकार कर दिया था। जस्टिस नाजमी वजीरी और जस्टिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंगलुरु में पूर्व कर्मचारी ने एम.डी. और सी.ई.ओ. को तलवार से मौत के घाट उतारा

घटना के वक्त इस सॉफ्टवेयर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सी.ई.ओ. दोनों ऑफिस में ही थे, नौकरी छोड़ने के बाद आरोपी खुद का बिजनेस कर रहा था

- खबरों के मुताबिक, आरोपी भी अपना खुद का सॉफ्टवेयर बिजनेस चला रहा था। मारे गए दोनों शख्स उसके बिजनेस में हस्तक्षेप कर रहे थे।
- एम.डी. और सी.ई.ओ. दोनों की इलाज के लिए अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई।
- आरोपी के मन में कंपनी के एम.डी फणीन्द्र को लेकर काफी ज्यादा गुस्सा था। यह गुस्सा इसलिए था, क्योंकि फणीन्द्र अक्सर उसके कामकाज में हस्तक्षेप किया करता था।

बैंगलुरु, 11 जुलाई। कर्नाटक की राजधानी बैंगलुरु में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां पर एक सॉफ्टवेयर-टेक कंपनी के पूर्व कर्मचारी ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर (एम.डी.) और चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर (सी.ई.ओ.) को तलवार से मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस ने बताया कि, यह घटना उस वक्त हुई जब मैनेजिंग डायरेक्टर और सी.ई.ओ. दोनों ऑफिस में थे। दोनों की इलाज के लिए अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई। वहीं, आरोपी पूर्व कर्मचारी फरार है। बताया जाता है कि आरोपी भी सॉफ्टवेयर से संबंधित बिजनेस ही चला रहा था। मारे गए दोनों शख्स उसके बिजनेस में हस्तक्षेप कर रहे थे।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि, आरोपी फेलिक्स एयरोनिक्स कंपनी का पूर्व कर्मचारी था। नौकरी छोड़ने के बाद उसने अपना बिजनेस शुरू किया था। बताया जाता है कि आरोपी के मन में एयरोनिक्स कंपनी के एम.डी. फणीन्द्र को लेकर काफी ज्यादा गुस्सा था। यह गुस्सा इसलिए था क्योंकि फणीन्द्र अक्सर उसके कामकाज को लेकर सवाल उठाया करता था। मंगलवार शाम करीब चार बजे आरोपी हाथ में तलवार और चाकू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गोल्डमैन सैक्स ने फिर अपनी आर्थिक भविष्यवाणी से चकरा दिया

गोल्डमैन सैक्स अनुसार 2075 में भारत विश्व में दूसरे नम्बर पर होगा, इकॉनमी की दृष्टि से

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सैक्स के अनुसार 2075 में भारत की इकॉनमी 52.5 ट्रिलियन होगी, तथा चीन नम्बर एक पर होगा और उनकी इकॉनमी का साइज़ 57 ट्रिलियन डॉलर होगा। अमेरिका की इकॉनमी 51.7 ट्रिलियन डॉलर की होगी, तथा अमेरिका की पोज़ीशन नम्बर तीन होगी।
- सैक्स ने लगभग एक दशक पूर्व भी ऐसी ही भविष्यवाणी की थी, जिसके अनुसार चार देश, ब्राजील, रूस, इण्डिया व चीन भविष्य इकॉनमी दृष्टि से "जाएन्ट" बनेंगे।
- भारत व चीन तो, भविष्यवाणी के अनुरूप, आगे बढ़े और बढ़ते जा रहे हैं, पर, रूस और ब्राज़ील पिछड़ गये और, संभावनाओं के साथ न्याय नहीं कर सके।

नई दिल्ली, 11 जुलाई। गोल्डमैन सैक्स फिर से अर्थव्यवस्थाओं के तुलनात्मक आंकलन में लगी है और अगले करीब पचास साल के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था का पूर्वानुमान लगा रही है।

इस वैश्विक निवेश बैंक के नवीनतम अनुमान भारत के लिए एक बहुत सुखद भविष्य बता रहे हैं। यह 2075 तक विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी और जी.डी.पी. का आकार 52.5 ट्रिलियन डॉलर होना चाहिए।

सबसे ऊपर चीन होगा 57 ट्रिलियन डॉलर के साथ और आज की विशालतम अर्थव्यवस्था अमेरिका, 51.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होगा।

जब गोल्डमैन पहली बार पूर्वानुमान के व्यापार में उतरी तो उसने चार देश बताए थे जो भविष्य में विशाल होंगे- ब्राजील, रूस, भारत और चीन। बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हो गया और चार देशों का यह संगठन यह ब्रिक से ब्रिक्स बन गया।

यह एक दशक से पुरानी बात है और अब वह संभवतः पुनरावलोकन कर रहा है लेकिन आज की स्थिति में पांच में से केवल दो, भारत और चीन ही गोल्डमैन के आशावाद के अनुरूप हैं। भारत और चीन महानता के रास्ते पर हैं जबकि अन्य देश फिसल गए हैं।

सबसे बड़ी निराशा रूस से हुई है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पांच माह की बच्ची से रिश्तेदार ने की दुष्कर्म की कोशिश

प्रकरण के संबंध में बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष संगीता बेनीवाल ने प्रसंज्ञान लिया

पाली, (नि.सं.)। जिले के एक थाना क्षेत्र में पांच महीने की बच्ची को घर में अकेला पाकर उसके दादा की उम्र के रिश्तेदार ने रेप करने का प्रयास का मामला सामने आया है। उक्त प्रकरण को बाल संरक्षण आयोग द्वारा गंभीरता से लिया गया है।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए घटना की पूर्ण जांच कर आरोपी के खिलाफ कठोर कार्यवाही करवाकर तथ्यात्मक रिपोर्ट तीन दिवस में आयोग कार्यालय को प्रेषित करने के लिए अतिरिक्त महानिदेशक (सिविल राईट्स), पुलिस महानिरीक्षक, जोधपुर एवं पुलिस अधीक्षक, पाली को पत्र लिखा गया है। साथ ही दूरभाष पर भी पुलिस अधीक्षक, पाली को

- आरोपी के विरुद्ध पोक्सो अंतर्गत केस दर्ज किया

आरोपी के विरुद्ध पोक्सो अंतर्गत केस दर्ज कर प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है। संगीता बेनीवाल ने बताया कि राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग बाल अपराधों को लेकर गंभीर है तथा बालकों के अधिकारों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए आयोग प्रयासरत है।

दुष्कर्म के बाद 12 वर्षीय बालिका गर्भवती

पेट में दर्द होने की शिकायत पर लगा पता

रामसिंहपुर, (निसं)। मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। इसमें दुष्कर्म के बाद एक 12 वर्षीय बालिका गर्भवती हो गई। एसएचओ बिशनसहाय ने बताया कि जिला चिकित्सालय पर एक नाबालिग लड़की ने पेट दर्द की शिकायत की। जांच करने पर डॉक्टरों ने पाया कि बालिका गर्भवती थी। विश्वास में लेकर उससे पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसके परिजन क्षेत्र के एक ईंट-भट्ठे पर काम करते हैं। कुछ माह पहले रात्रि जागरण के लिए एक मंडली आई थी उसमें से एक युवक ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। डर के मारे उसने अपने घर वालों को कुछ नहीं बताया। पेट दर्द होने पर उसने अस्पताल आकर दिखाया तो मामला सामने आया। एसएचओ ने बताया कि लड़की का मेडिकल करवाया गया है रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। लड़की के बयान के आधार पर लड़के की पहचान कर ली गई है। संभवत वह भी नाबालिग है। मामले की जांच अनूपगढ़ के डीएसपी पुष्पेंद्र सिंह को सौंप दी गई है।

अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जवाहरनगर थाने की दो टीमों ने दो अलग-अलग कार्रवाई में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से दो पिस्तौल, चार कारतूस, दो चले हुए कारतूस व कार सहित 3 आरोपी गिरफ्तार किए हैं।

आरोपियों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। एसपी परिस देशमुख ने बताया कि जवाहरनगर थाना प्रभारी आईपीएस रमेशकुमार के निर्देश पर पुलिस टीम ने गश्त के दौरान गोपनीय सूचना के आधार पर आरोपियों को 4 जैड की रोही में पकड़ा। आरोपी जशनदीप सिंह के कब्जा से एक देशी पिस्तौल लोडेड, एक कारतूस व 2 चले हुए कारतूसों के खोल सहित पकड़ा। उसके साथ कार में सवार मानसिंह से 3 जिंदा कारतूस सहित एक कार स्विफ्ट के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे की जांच एएसआई साहबराम बाजिया को सौंपी गई है। गिरफ्तार आरोपी जशनदीप सिंह करीब 2 साल पूर्व अपने अन्य साथियों के साथ रीको श्रीगंगानगर में हुए लालचंद नाथ निवासी नेतेवाला की हत्या के मामले में करीब 6 माह तक जेल में रह चुका है। इसके अलावा आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास, मारपीट आदि के 6 मुकदमे दर्ज हैं।

आरोपी मान सिंह चोरी के मामले में वांछित चल रहा था। मामले की जांच में पता चला कि पीडित किशोरी एक हमउम्र किशोरी के साथ 8 जुलाई की शाम को बिना किसी से अनुमति लिए गायब हो गई थी। ये दोनों बस स्टैंड के आसपास कहीं जाने को भटक रहीं थी लेकिन पास में किराए के पैसे नहीं थी। उसी दौरान आरोपी यादी धोबी की इन पर नजर पड़ी। उसने दोनों किशोरियों को पुलिस से बचाने और उनके चाहे गए स्थान पर भेजने में मदद का भरोसा देकर विश्वास जीत लिया। इसके बाद वह दोनों को मोटरसाइकिल पर बैठाकर बहाने से अपने घर ले गया और फिर पीडिता से दुष्कर्म किया। पुलिस अनुसंधान में सामने आया कि पीडिता किशोरी को मुकलावा पुलिस ने करीब 8-10 दिन पहले पंजाब से बरामद किया था।

दूसरी टीम ने सूचना पर अग्रसेन चौक के पास शिव वाटिका के निकट आरोपी मनीष के कब्जा से एक देशी पिस्तौल जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ दर्ज किए गए मुकदमे की जांच एसआई धर्मपाल वर्मा को सौंपी गई है। श्रीगंगानगर पुरानी आबादी थाने का हिस्ट्रीशीटर आजाद उर्फ यादी उर्फ आजादी धोबी को किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ एक किशोरी ने महिला थाना में मुकदमा दर्ज करवाया था।

थानाधिकारी व हैड कांस्टेबल डेढ लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

- जालोर के करड़ा थाना पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत 6 जुलाई को प्रकरण दर्ज किया था
- अनुसंधान के दौरान हवालात में कोई मारपीट नहीं करने के एवज में रिश्वत मांगने का परिवाद एसीबी को प्राप्त हुआ था

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सिरोही की टीम ने सोमवार देर रात को ट्रेप की कार्यवाही करते हुए जालोर जिले के करड़ा थानाधिकारी अमरसिंह व एक हेड कांस्टेबल को डेढ़ लाख रुपए रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

सिरोही एसीबी के एएसपी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि जालोर के करड़ा थाना पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत 6 जुलाई को प्रकरण दर्ज किया था। जिसमें शराब परिवहन के लिए प्रयुक्त वाहन बिना नंबरी मैक्स पिकअप के मालिक मांगीलाल विश्नोई को प्रकरण में आरोपी नहीं बनाने एवं इस प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी दिनेश विश्नोई पुत्र आसूराम विश्नोई के साथ अनुसंधान के दौरान हवालात में कोई मारपीट नहीं करने के एवज में रिश्वत मांगने का परिवाद एसीबी को प्राप्त हुआ। इस प्रकरण में करड़ा थानाधिकारी व अनुसंधान अधिकारी अमरसिंह के कहेनुसार पहले उसके अधिनस्थ हैड कानिस्टेबल प्रतापाराम द्वारा मैक्स पिकअप गाडी मालिक मांगीलाल विश्नोई को मुलजिम नहीं बनाने की एवज में 10 जुलाई सुबह को परिवादी वलदरा (सिरोही) निवासी मनोहरसिंह चारण पुत्र खेतदान चरण से डेढ लाख रुपए रिश्वत की मांग की। उसी दौरान कुछ समय बाद इसी परिवादी से थानाधिकारी अमरसिंह स्वयं द्वारा हवालात में बंद आरोपी दिनेश विश्नोई के साथ मारपीट नहीं करने की एवज में अलग से तीस हजार रुपए की रिश्वत की मांग की, इस प्रकार दोनों आरोपितों द्वारा परिवादी से अलग-अलग कुल 1 लाख 80 हजार रुपए रिश्वत की मांग की गई। जिस पर आरोपितों के विरुद्ध इसी दिन देर शाम को ट्रेप कार्यवाही की गई।

करड़ा में ही नीलकंठ महादेव होटल के पास स्थित भाजपा कार्यालय में आरोपी हेड कांनिस्टेबल प्रतापाराम ने परिवादी से डेढ लाख रुपए प्राप्त कर थानाधिकारी द्वारा मांगे गये तीस हजार रुपए भी थानाधिकारी द्वारा उसे ही लेने का कहने पर परिवादी ने कन्फर्म कराने का कहा तो आरोपी हैड कॉनिस्टेबल ने परिवादी के सामने थानाधिकारी से वॉट्सऐप कॉल पर वार्ता की। परिवादी को भी अपने मोबाइल वॉट्सएप से वार्ता करवाई तो थानाधिकारी ने स्वयं द्वारा मांगे गए तीस हजार रुपए भी हैड कांनिस्टेबल प्रतापराम को देने के लिए परिवादी को कहा गया। जिस पर थानाधिकारी के लिए 1.50 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए हेड कांनिस्टेबल वाडा भाडवी (बागोडा) निवासी प्रतापाराम पुत्र मूलाराम को रंगे हाथों दस्तियाब किया। वहीं हेड कांनिस्टेबल को दस्तयाब करने के बाद चाणोद (तखतगढ) निवासी हाल करड़ा थानाधिकारी अमरसिंह पुत्र अचलसिंह को भी करड़ा में स्थित स्वयं के किराये के आवास से दस्तयाब किया गया। कार्यावाही दल में एसीबी ब्यूरो के निरीक्षक पदमपालसिंह भाटी, हेड कांस्टेबल मोहनराम, कांस्टेबल सोहनराम, अमरसिंह, रामकुमार सिंह, वचनाराम, रमेश, सुरेशदान, दीक्षा, गणेश आदि शामिल रहे।

इंद्रप्रस्थ गैस लि. की 13 करोड़ की बैंक गारंटी जब्त

अजमेर निगम आयुक्त ने 31 अगस्त तक शहर में खुदाई कार्य पर लगाई रोक

अजमेर, (कासं)। नगर निगम ने इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईएलजी) की बैंक गारंटी जप्त करने के लिए बैंक को पत्र जारी किया है। कंपनी ने गैस पाइन लाइन डालने के दौरान रोड-रेस्टोरेशन का कार्य संतोषजनक नहीं करने के कारण 13 करोड़ की बैंक गारंटी को कैश करने हेतु बैंक को लिखा है ताकि राशि प्राप्त होने पर नगर निगम सभी रोड को ठीक करा सके।

नगर निगम आयुक्त सुशील कुमार की पहल पर मंगलवार को सभी विभागों को एक मंच लाते हुए निगम कार्यालय में शहर की सड़कें दुरूस्त रखने के लिए बैठक की। जिसमें प्रमुख रूप से

- अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ की बैठक

पीडब्ल्यूडी, एडीए, एवीवीएनएल, पीएचईडी, टाटा पावर सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल थे। बैठक के दौरान आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे 31 अगस्त रोड कटिंग का कार्य नहीं करेंगे। अत्यधिक आवश्यकता होने पर जैसे टाटा पावर व पीएचईडी को पानी की पाइप लाइन डालनी है तो पूर्व में स्वीकृति ले ली जाए।

उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने स्तर पर 2 से 3 माह का प्लान बनाकर रखें। प्रति माह के दूसरे मंगलवार को निगम की बैठक में उस पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। यदि कोई विभाग कार्य कर रहा है तो अन्य विभागों को भी इसकी जानकारी होनी चाहिए। निगम आयुक्त के निर्देश पर संबंधित सभी विभागों का वाट्सएप ग्रुप बनाया है। संबंधित विभाग के अधिकारी अपने-अपने विभागों में किए जाने वाले कार्यों की सूचनाओं का आदान- प्रदान करेंगे।

पुलिस इंस्पेक्टर और कॉन्स्टेबल की गोली मार हत्या करने वालों को उम्रकैद

जयपुर/सीकर, (निसं)। सीकर जिले के थाना कोतवाली फतेहपुर एसएचओ मुकेश कुमार कानूनगो और कॉन्स्टेबल रामप्रकाश की करीब पौने तीन साल पहले गोली मार कर हत्या के मामले में मंगलवार को अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश फतेहपुर शेखावाटी द्वारा सात आरोपियों को दोषी मानते हुए उन्हें उम्र कैद की सजा सुनाई है। मामले की पैरवी अपर लोक अभियोजक रामचंद्र माहिचा ने की जबकि केस ऑफिसर सीओ फतेहपुर राजेश कुमार रहे।

उल्लेखनीय है कि 6 अक्टूबर 2018 की रात में एसएचओ कोतवाली फतेहपुर मुकेश कुमार कानूनगो, कॉन्स्टेबल रामप्रकाश, रमेश तथा सांवरमल हथियार समेत बदमाश अजय चौधरी और जगदीप उर्फ धनकड़ के बारे में मिली सूचना पर निजी वाहन से रवाना हुए। उदंनसर स्टैंड से करीब 2 किलोमीटर पहले एक बोलेरो को रोककर चेक करने की कोशिश की तो उसमें से अजय चौधरी, जगदीप उर्फ धनकड़, दिनेश आचार्य उर्फ लारा निवासी फतेहपुर, ओमप्रकाश उर्फ ओपी निवासी जलालसर तथा तीन-चार अन्य व्यक्ति गाड़ी से नीचे उतरे और अजय चौधरी ने इंस्पेक्टर मुकेश कानूनगो और जगदीप उर्फ धनखड़ ने रामप्रकाश कॉन्स्टेबल को गोली मार दी। बाकी बदमाशों ने पुलिस जाब्ते पर फायरिंग की।

आईजी रेंज जयपुर के निर्देश पर तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की

दिवंगत इंस्पेक्टर और कांस्टेबल की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

गई। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई कर घटना में शामिल आरोपी अजय चौधरी, दिनेश कुमार उर्फ लारा, जगदीप उर्फ धनकड़, ओम प्रकाश उर्फ ओपी, रामपाल, अनुज उर्फ छोटा पांड्या उर्फ लोढया और आमिर को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने इन आरोपियों को शरण देने और भागने में मदद करने वाले आरोपित कैलाश नागौरी, बलवीर सिंह, किरण पाल उर्फ मनीष, संजय कुमार धींवा, दिनेश कुमार जाट, विजेंद्र सिंह, अमित कुमार, राजू उर्फ राजेंद्र नैण, हंसराज यादव, सुरेंद्र कुमार, कुलदीप चाहर और सुगना देवी व सुमित्रा उर्फ सुमन को गिरफ्तार कर अनुसंधान के बाद सभी 20 आरोपियों के विरुद्ध कोर्ट में चालान पेश किया। पुलिस मुख्यालय के जघन्य अपराधों में केस ऑफिसर स्कीम के तहत चयन कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश के अंतर्गत एसपी सीकर करण शर्मा के निर्देशन, एडिशनल एसपी रामचंद्र मुंड के सुपरविजन में केस ऑफिसर और हाईकोर्ट बेंच जयपुर के निर्देश पर सीओ फतेहपुर राजेश कुमार को नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया। केस ऑफिसर द्वारा गवाहों को गवाही से पहले ब्रीफ कर अभियोजन पक्ष में कुल 121 गवाहों के बयान करवाये। अभियुक्तों द्वारा जमानत के लिए पेश की गई याचिकाओं के संबंध में राजकीय अधिवक्ता के मार्फत कोर्ट में पेश होकर जमानत याचिकाएं खारिज करवाई गई।

मंगलवार को कोर्ट द्वारा सात अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इस दौरान वृत फतेहपुर के सभी पुलिसकर्मियों सीओ राजेश कुमार के नेतृत्व में कोर्ट में मौजूद थे। फैसला

- फैसला सुनने के बाद पुलिसकर्मी न्यायालय से मौन जुलूस के रूप में थाना कोतवाली फतेहपुर पहुंचे

सुनने के बाद पुलिसकर्मी न्यायालय से मौन जुलूस के रूप में थाना कोतवाली फतेहपुर पहुंचे। जहां दिवंगत इंस्पेक्टर मुकेश कानूनगो और कांस्टेबल रामप्रकाश की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इन्हें मिली उम्रकैद की सजा :- अजय चौधरी पुत्र रामकुमार (22) निवासी वार्ड नंबर 2 थाना कोतवाली फतेहपुर, दिनेश कुमार उर्फ लारा पुत्र ओमप्रकाश आचार्य (23) निवासी आचार्यों का मोहल्ला थाना कोतवाली फतेहपुर, जगदीप उर्फ धनकड़ पुत्र शीशपाल (24) निवासी खांजी का बास थाना सदर फतेहपुर, ओम प्रकाश उर्फ ओपी पुत्र सोहनलाल (23) निवासी जलालसर थाना सदर फतेहपुर, रामपाल पुत्र गिरधारी लाल (24) निवासी सुरजन पुरा थाना उदयपुरवाटी जिला झुंझुनू, अनुज उर्फ छोटा पांड्या उर्फ लोढया पुत्र बलवंत जाट (24) निवासी भादडवास थाना मंडावा हाल थाना फतेहपुर सदर और आमिर पुत्र खान मोहम्मद (26) निवासी चूड़ीमियां थाना बारा जिला सीकर है।

सेना के जवान का निधन

धौलपुर, (निसं)। बसेड़ी कस्बा के हवेली थोक निवासी सेना के जवान उपेंद्र सिंह परमार उर्फ मोनू पुत्र गिरेन्द्र सिंह परमार का बीमारी के चलते मंगलवार को निधन हो गया। शाम करीब चार बजे जवान का पार्थिव शव तिरंगे में लिपटा हुआ आर्मी के वाहन में कस्बा बसेड़ी पहुंचा तो ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा।

कुछ दिन की बात है हमारा राज आने वाला है : पूर्व सी.एम. राजे

- राजे से भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने करौली में भ्रष्टाचार चरम पर होने की शिकायत की

करौली, (निसं)। सवाईमाधोपुर से करौली होते हुए धौलपुर जा रही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का करौली में प्रवेश करते समय और करौली सीमा से निकलने तक उनका जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। वहीं भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने करौली में भ्रष्टाचार चरम पर होने की शिकायत की जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने कहा कि कुछ दिन की बात है राज हमारा आने वाला है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के करौली जिले की सीमा में प्रवेश करते समय भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष भैरू सिंह जादौन के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने माला साफा पहना कर और मदन मोहन जी, कैला मैया की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया। इससे आगे चलने पर कुड़गांव गंगापुर मोड़ पर भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। करौली शहर में प्रवेश करते समय मदन मोहन स्वामी, टोनू राजोरिया सहित भाजपाइयों ने माला गुलदस्ता भेंट कर शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया।

इधर करौली के सर्किट हाउस के सामने भाजपा के शहर मंडल अध्यक्ष योगेश शर्मा उर्फ योगी के नेतृत्व में सैकड़ों भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता अशोक पाठक, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रहलाद सिंहल,जिला उपाध्यक्ष सुरेश शुक्ला, शहर मंडल महामंत्री आशीष जैन एडवोकेट, तेजेंद्र सिंह, आशुतोष, विक्की, कुलदीप सिंह धाभाई, गजेंद्र शर्मा एडवोकेट, द्वारका प्रसाद, वासुदेव गुप्ता, प्रशांत सारस्वत, गजेंद्र भारद्वाज, कसेड के पूर्व सरपंच बाबूलाल मीणा, ओमदास त्यागी, अशोक चतुर्वेदी सहित दर्जनों भाजपाइयों ने मदन मोहन जी व कैलामैया की तस्वीर, गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया उधर मासलपुर चुंगी के पास भाजपा नेता संभावित प्रत्याशी सतवीर चंदीला ने अपने कार्यालय के सामने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का गुलदस्ता भेंट कर और मॉ. कैलादेवी, मदन मोहनजी की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया।

इस दौरान भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने करौली जिले में बढ़ते भ्रष्टाचार की शिकायत की जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा करौली वाले दूरी नहीं बनाएं और आगे राज हमारा आने वाला है सब देख लेंगे। इसके अलावा सवाई माधोपुर से धौलपुर जाते समय ग्राम अटा में पूर्व प्रधान विद्या देवी सैनी और माली समाज के जिला अध्यक्ष जमुना लाल के आवास पर पहुंची पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का करौली पंचायत समिति के पूर्व प्रधान विद्या देवी सैनी और माली समाज के जिला अध्यक्ष जमुनालाल के द्वारा पुष्पगुच्छ और शॉल पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं करौली के पूर्व विधायक सुरेश मीणा ने अपने गांव सलेमपुर में भारी संख्या में खड़े ग्रामीणो के बीच पूर्व मुख्यमंत्री का चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया जिस पर वसुंधरा राजे खुश नजर आईं।

तीन मंदिरों में चोरी, लोगों ने आरोपी को पकड़ा

मौजमाबाद थाने पर खड़ी ग्रामीणों भीड़।

दूदू, (निसं)। मौजमाबाद पुलिस थाना क्षेत्र के धंमाणा गांव में चोरों के गिरोह द्वारा सोमवार की रात को तीन मंदिरों में चोरी की वारदात को दिया। वारदात के दौरान जाग हो जाने पर गांववासियों ने पीछा कर एक आरोपी को व काम में ली जा रही पिकअप को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया।

ग्रामीणों के अनुसार धंमाणा में तेजाजी महाराज के मन्दिर में रखे दान पात्र को तोड़कर नकदी निकाल ली। पूर्व मौजमाबाद के बालाजी मंन्दिर दानपात्र से चोरी की गई। इसके पश्चात् धंमाणा स्थित बालाजी के यहां तिजोरी तोड़ने का प्रयास किया जा रहा था इस दौरान जाग हो गई। ग्रामीणों ने पीछा कर गिरोह के एक आरोपी मुकेश जाट निवासी चकवाडा को पकड़कर काम में ली जा रही पिकअप को कब्जे में कर लिया अन्य आरोपी भाग छूटे। घटना की रिपोर्ट हनुमान प्रसाद ने थाने में दर्ज करायी। पुलिस ने आरोपी मुकेश जाट से पूछताछ की जिसमें पाया कि गिरोह में 5-7 जने हैं। धंमाणा से पूर्व मौजमाबाद में चारी की वारदात को अंजाम दिया गया था। ग्रामीणों ने पुलिस थाने पर पहुंचकर पिछले दिनों में मन्दिरों व स्कूलों में हुई चोरी की वारदातों का भी खुलाश नहीं करने पर आक्रोश जताया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

सड़क मार्ग के लिए खेतों में खड़ी फसल पर प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

खेतों में खड़ी फसल चलते बुलडोजर को देख किसानों ने हंगामा किया

सुजानगढ़, (निसं)। बीदासर-सुजानगढ़ निर्माणाधीन सड़क को लेकर मंगलवार को गोपालपुरा गांव में राजस्व विभाग ने खेतों में खड़ी फसल पर बुलडोजर चलाते हुए अतिक्रमण हटाया। खेतों में खड़ी फसल चलते बुलडोजर को देख किसानों ने कार्रवाई कर रही राजस्व टीम का विरोध करते हुए हंगामा किया लेकिन मौके पर मौजूद प्रशासन ने किसानों की बिना सुने ही कार्रवाई जारी रखी।

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष आंनद पिलानियां के खेत में हुई कार्रवाई के बाद पिलानियां ने अपनी ही सरकार के अधिकारियों पर निर्दयता पूर्वक कार्रवाई करने का आरोप लगाया। पिलानियां ने कहा कि उनके खेत के पास से गांव का सबसे पुराना कटानी रास्ता जा रहा है। फिर भी प्रशासन ने रिकॉर्ड के अन्दर उनके खेत में कटाणी रास्ता बताकर खेतों में खड़ी लाखों रूपए की फसल को चौपट कर रास्ता निकाल दिया। किसान गीता देवी ने कहा कि साल में एक बार पैदा होने वाली फसल को अतिक्रमण की आड में खुर्द-बुर्द कर किसानों को चौपट किया गया है।

सुजानगढ़ के गोपालपुरा गांव में प्रशासन द्वारा खेत से हटाई गयी फसल।

उन्होंने कार्रवाई करने वाली टीम के खिलाफ जांच कमेटी गठित करने की मांग की है। वहीं प्रशासन ने किसानों को बताया कि यह कार्रवाई नियमों व रिकॉर्ड में जा रहे कटाणी रास्तों पर ही कार्रवाई की गयी है। कार्रवाई के दौरान सदर सीआई मनोज मूण्ड, पटवारी, गिरदावर व ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे। किसानों की फसल पर बुलडोजर चलने की सूचना पर किसान नेता रामनारायण रूलाणिां, एडवोकेट बनवारी बिजारणियां, तेजपाल गोदारा, रामनिवास पिलानियां सहित ग्रामीणों ने एकजुट होकर खराब की गयी फसल का मुआवजा देने की मांग की है। जानकारी के अनुसार सुजानगढ़ से बीदासर के लिए टू लेन सड़क मार्ग पीडब्लयूडी द्वारा बनाया जा रहा है। जिसको लेकर गोपालपुरा गांव से बाईपास निकालने के लिए खेतों से अतिक्रमण हटाकर घरों को तोड़ा जा रहा है। गोपालपुरा के काश्तकारों का कहना है कि राजस्व विभाग द्वारा बिना सीमाज्ञान के खेतों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

- 'जो फसल खुर्द-बुर्द की गयी थी वो गैर मुमकिन जगह पर थी जहां सडक बनना प्रस्तावित है'

प्रवीण कुमार तहसीलदार सुजानगढ़ का कहना है कि ग्राम गोपालपुरा में पीडब्यूडी विभाग द्वारा सड़क बनने प्रस्तावित था। इसके लिए विधिवत रूप से सीमाज्ञान करवाया व अतिक्रमियों को नोटिस देकर जबाव देने के लिए समय भी दिया गया था। जिसके बाद रेवन्यू टीम ने रिकॉर्ड के अनुसार कटानी मार्ग से अतिक्रमण हटाया जो फसल खुर्द-बुर्द की गयी थी वो गैर मुमकिन जगह पर थी जहां सडक बनना प्रस्तावित है।

सांसद कस्वा ने 'संपर्क से समर्थन' अभियान के तहत सेवानिवृत कर्मचारियों से मुलाकात की

सादुलपुर, (निसं)। चूरू सांसद राहुल कस्वां ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा चलाये जा रहे 'सम्पर्क से समर्थन' अभियान के अंतर्गत मंगलवार को सादुलपुर विधानसभा के गाँव हमीरवास में सेवानिवृत शिक्षाविदों, सैन्य कर्मियों व अन्य सेवानिवृत कर्मचारियों से मुलाकात की।

इस दौरान सांसद कस्वां ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के 9 वर्ष सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सेवानिवृत कर्मचारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ अहम मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। साथ ही 9 वर्ष में हुए विकास कार्यों की पुस्तिका 'सेवा के 9 वर्ष' उन्हें भेंट की। उन्होने कहा कि केन्द्र सरकार ने शिक्षा के ढाचें में अहम बदलाव करने का कार्य किया है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से रोजगारोन्मुखी शिक्षा के साथ-साथ नव भारत निर्माण हेतु अहम कदम उठाये

भाजपा की ओर से चलाये जा रहे 'सम्पर्क से समर्थन' अभियान के अंतर्गत हमीरवास में नौ वर्ष में हुए विकास कार्यों की पुस्तिका 'सेवा के 9 वर्ष' भेंट करते सांसद राहुल कस्वा।

- सभी वर्गों को साथ लेकर विकसित भारत निर्माण के ध्येय के साथ काम कर रही है केन्द्र सरकार: कस्वां

गए हैं। इसी प्रकार सैन्य क्षेत्र में भारत सरकार ने कारगर पहल की हैं। सेना को अत्याधुनिक रूप देने के साथ ही वन रैंक वन पेंशन का ऐतिहासिक फैसला भी केन्द्र की भाजपा सरकार ने लिया, जो साफ इंगित करता है कि हमारी सरकार देश की सुरक्षा में समर्पित सशस्त्र बलों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस दौरान सूबेदार बलदेव सांगवान, सूबेदार रामस्वरूप डूडी, हवलदार नरेन्द्र डूडी, कैप्टन रणसिंह श्योराण, हवलदार नरेश श्योराण, सूबेदार मेघाराम धांगड, हवलदार मोहरसिंह श्योराण, हवलदार सुरेन्द्र सिंह श्योराण, सूबेदार होशियारसिंह धांगड, सूबेदार धर्मपाल श्योराण, हवलदार जीवणराम झाझडिया, हवलदार श्रीचंद श्योराण, अध्यापक जुगलाल मेघवाल, हवलदार राकेश धांगड, अध्यापक रामस्वरूप, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य ईश्वर जांगिड, अध्यापक महताब जांगिड, अध्यापक रामकुमार जांगिड, महताब सिंह विधुत विभाग, दयानंद बडीवाल, जागेराम बडीवाल, इंस्पेक्टर निहाल सिंह धांगड, सुमेरसिंह बडीवाल, मोहरसिंह झाझडिया, शेरसिंह झाझडिया, रामकुमार बडीवाल, विद्याधर भडीया, बलवीर श्योराण, कुलदीप श्योराण (जिला संयोजक खेल प्रकोष्ठ) आदि उपस्थित रहे।

तहसील कार्यालय के सामने सड़क के बीच गड्ढा, बड़े हादसे का इंतजार

मंडावा, (निसं)। कस्बे के मुकुंदगढ़ मार्ग पर तहसील कार्यालय के सामने सड़क के बीचो- बीच बना गड्ढा हादसों को निमंत्रण दे रहा है। इस मार्ग पर दिन-रात वाहनों का आवागमन रहता है। उक्त गड्ढा पिछले दो-तीन महीनों से बना हुआ है एवं हाल ही में हुई बारिश से सड़क टूटने से गड्ढा और ज्यादा हो गया है।

तहसील कार्यालय के अलावा एसडीएम, पंचायत समिति कार्यालय भी पास में ही है। वही दिन में इस रास्ते से जिम्मेदार प्रधान, अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार भी गुजरते हैं लेकिन उनका भी ध्यान इस तरफ नहीं गया। सड़क पर बने इस गड्ढे के कारण दुपहिया वाहन चालकों के साथ हादसा भी हो चुका है और चोटिल भी हुए हैं लेकिन जिम्मेदारों ने फिर भी अपनी आंखें मूंद रखी है शायद उनको किसी बड़े हादसे का इंतजार है। वैसे तो इस को दुरुस्त करने का काम पीडब्ल्यूडी विभाग का है जब तक सही ना हो नगर पालिका प्रशासन इस पर मिट्टी आदि डालकर भी सही कर सकता है ताकि कोई बड़ा हादसा किसी के साथ ना हो।

वहीं दूसरी ओर इसी मार्ग पर एसडीएम कार्यालय के सामने सड़क पर गंदे पानी का भराव हो रखा है जो कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान की पोल खोलने के लिए काफी है वह भी सरकारी कार्यालयों के पास में, तथा कस्बे के अन्य कई रास्तों पर भी पानी का भराव हो रखा है जिससे पैदल राहगीरों सहित आमजन को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मंडावा कस्बे के मुकुंदगढ़ मार्ग पर तहसील कार्यालय के सामने बीच सड़क पर बना हुआ गड्ढा।

चिकित्साकर्मियों का सम्मान हुआ

चिड़ावा, (निसं)। विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर शहर के कबूतरखाना स्थित उप जिला अस्पताल में कार्यक्रम हुआ। बीसीएमओ डॉक्टर अनिल लाम्बा ने इस दौरान चिकित्साकर्मियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर लांबा पंचायत सरपंच किशना देवी, उप जिला अस्पताल, ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप केंद्रों पर कार्यरत चिकित्साकर्मियों, आंगनबाडी केंद्रों पर कार्यरत आशा का सम्मान भी किया गया। सम्मान पाने वालों में सोलाना पीएचसी के एमओ डॉ. ओमप्रकाश चौधरी, बख्तावरपुरा पीएचसी के एमओ डॉ. आदित्य शर्मा, सुलताना सीएचसी की एमओ डॉ. ज्योति बुगलिया, सोलाना पीएचसी की एलएचवी सरिता, सोलाना पीएचसी के पीएचएस ओमप्रकाश, सोलाना के लेखा सहायक दर्शन सहल, सोलाना की एएनएम लक्ष्मी, महरामपुर के उप केंद्र की एएनएम सुशीला कुमारी, लांबा पीएचसी की एएनएम सुनीता, दिलाबरपुरा उपकेंद्र की एएनएम मरियम्मा, नालवा उपकेंद्र की एएनएम मनोज, कुरेशी नगर उपकेंद्र की एएनएम सरोज कुमारी, भुकाना उपकेंद्र की एएनएम सुलोचना, श्री अमरपुरा उपकेंद्र की एएनएम इंद्रावती, लोदिपुरा उपकेंद्र की एएनएम गीता कुमारी का सम्मान हुआ। वहीं कई आंगनबाडी केंद्रों की आशा भी सम्मानित हुई। जिनमें लाम्बा की संजू, मंजू, दिलावरपुरा की रुक्मणि, नालवा की बबिता, कुरेशी नगर की सिलोचना, सोलाना की मायावती, सुमित्रा, महरामपुरा की मुकेश, सुनीता, भुकाना की मीना, मोहिनी, श्योलालपुरा की विनीता, श्री अमरपुरा की प्रेम, लोदीपुरा की मंजू और गोवला की सुनीता सम्मानित हुई। जखोडा पीएचसी के लेखा सहायक संजय झाझडिया, बख्तावरपुरा पीएचसी के राजेश और 108 ड्राइवर राजेश का भी सम्मान किया गया।

राजगढ शहर की सभी सार्वजनिक जगहों पर लगेंगे हाइटेक कैमरे: डॉ. कृष्णा पूनिया

राजगढ़ कस्बे में लगने वाले सी.सी.टी.वी. कैमरों को लेकर सम्बोधित करती सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया।

सादुलपुर, (निसं)। विधायक कृष्णा पूनिया की एक सराहनीय सोच ने आपराधिक गतिविधियों को कम करने के लिए राजगढ कस्बा क्षेत्र में लगभग 1 करोड 25 लाख की लागत के सीसीटीवी कैमरे लगाने के टेंडर जारी हो गये हैं।

गौरतलब हैं कि गत दिनों विधायक डा. कृष्णा पूनिया ने नगर पालिका चेयरमैन चेयरमैन को डिजायर लिख राजगढ कस्बा क्षेत्र में बढती गतिविधियों व चोरी जैसे अपराध की रोकथाम के लिए कस्बा राजगढ में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की अनुशंसा की थी। इस दौरान विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया ने कहा कि राजगढ कस्बे में आपराधिक गतिविधियों में कमी लाने एवं अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए मुख्य बाजार, चौक, चौराहा एवं राजगढ शहर में रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सहित अलग-अलग स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाये जाएँगे। जिसकी लागत लगभग 1 करोड 25 लाख होगी। और कैमरे भी इतनी अच्छी क्वालिटी के लगेगे कि अगर

- राजगढ़ कस्बा क्षेत्र में 1 करोड़ 25 लाख की लागत के सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाने के टेंडर जारी

3 घंटे लाइट नहीं होगी तब भी सीसीटीवी कमरे काम करेंगे और अच्छी क्वॉलिटी के कमरे लगाने का वादा किया।

इसके साथ ही इन कैमरों के रख रखाव की जिम्मेदारी नगरपालिका राजगढ करेगी और कंट्रोल पुलिस थाना राजगढ की निगरानी में रहेगा। इससे आपराधिक गतिविधियों में कमी आएगी। इस दौरान नगरपालिका चेयरमैन रजिया गहलोत, नगरपालिका ईओ प्रियंका बुडानिया, पीसीसी सदस्य शिशुपाल पूनिया, नंदकिशोर मरोदिया पूर्व चेयरमैन, मंगतुराम मोहता पूर्व चेयरमैन, मदरसा बोर्ड के सदस्य लाल मोहम्मद भियानी, नगर अध्यक्ष पवन सैनी, नियाज मोहम्मद, डीवाईएसपी इस्लाम खान, पार्षद हैदर अली, मनीराम गनोलिया, हरद्वारीलाल मीणा, रफीक पहाडखानी, हबीब भाटी, सतपाल पांडिया सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चिड़ावा के विश्वकर्मा मंदिर में चोरी

चिड़ावा, (निसं)। शहर की पुरानी बस्ती स्थित विश्वकर्मा मंदिर में मंगलवार दोपहर बाद चोरी की वारदात हो गई। चोरी हुई दानपेटी मंदिर के पीछे पडी मिली। जिसका लॉक खोलकर चोर रुपए चुरा ले गया। मिली जानकारी के अनुसार दोपहर में मंदिर के पुजारी घनश्याम खाना खाने के लिए मंदिर के पट्ट बंद कर घर गए थे। शाम को जब वे मंदिर पहुंचे तो दान पेटी गायब मिली। जिसके बाद उन्होंने मंदिर संचालन समिति के पदाधिकारियों को सूचना दी। पुजारी ने छत पर जाकर देखा तो पेटी मंदिर के पीछे नोहरे में पडी नजर आई। जिसके बाद समिति संरक्षक मनोहर लाल जांगिड, सचिव सुनील सिद्दड मंदिर पहुंचे और पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया। जिसके बाद सभी मंदिर के पीछे नोहरे में पहुंचे जहां पर दान पात्र चेक किया गया। मौके से मात्र 75 रुपए मिले और बाकी चोर चुरा ले गए। पुजारी ने बताया कि दो साल से दान पात्र को खोला ही नहीं गया था। ऐसे में दानपात्र में कितने रुपए थे, इसका तो अनुमान नहीं है। लेकिन एक बडी राशि चोर चुरा ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

- भगवान के दानपात्र को उठा ले गए चोर, मंदिर के पीछे नोहरे में मिली दानपेटी

विधायक मोदी ने तीन सड़कों सहित जी.एस.एस. का शिलान्यास किया

सड़कों का शिलान्यास करते विधायक सुरेश मोदी।

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी ने मंगलवार को 3 सडकों व एक जीएसएस सब ग्रिड स्टेशन का शिलान्यास किया। ग्रामवासीयों ने विधायक मोदी को साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक मोदी ने बताया कि छाजा की नांगल, अहीरो की ढाणी से हरिपुरा मोड तक, जिसकी लम्बाई 1 कि.मी. 45 लाख रूपये की लागत से बनेगी, हसामपुर लादी का बास सडक से बक्सीपुरा जिसकी लम्बाई 1.50 कि.मी. 50 लाख रूपये की लागत से और रायपुर पाटन सडक से नानगवास वाया नारदा सडक नवीनीकरण जिसकी लम्बाई 3.00 किमी 90 लाख की लागत से सडक का निर्माण कार्य होगा। इन सभी सडकों की गारंटी 5 साल की होगी, जहां बारिश का पानी भरता है वहां सी.सी. सडक और शेष सडक डामर से बनेगी। इन सडको का निर्माण कार्य 8 माह में हो जाऐगा तथा सडक का कार्य पूर्ण होने के बाद आमजन में आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। विधायक मोदी ने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता है, तथा हर गांव मुख्य सडक से कनेक्ट हो इसके लिये वे हमेशा फिक्रमंद है। क्षेत्र के विकास के लिये जनता कहे या नहीं कहे परन्तु हमारी जबावदेही में शामिल है।इन सडको के निर्माण की मांग वर्षो से चली आ रही थी जो पूरी हुई। कोई भी गांव विकास की रोशनी से अछूता नहीं रहेगा।

सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गो के लोगो तक पहुंचे, इसके लिए हर समय प्रयासरत हूं। मोदी ने यह भी कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खडे हर व्यक्ति का समुचित विकास कर उनके स्तर को बेहतर बनाना मेरा लक्ष्य है। इसके लिए सभी गांवों में पक्की सडक, बिजली, पेयजल, नाली सहित सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही ग्राम कोला की नांगल में जीएसएस का शिलान्यास विधायक सुरेश मोदी द्वारा किया गया।

24 घंटे शराब ठेका खोलने का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। गाँव भैंसली में राज्य सरकार द्वारा संचालित शराब ठेका शराब नीति के विरूद्ध चलाने का आरोप लगाते हुए एसडीएम राजगढ को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की माँग की है। शहीद राजकुमार पूनियां नवयुवक मण्डल भैंसली के अध्यक्ष, अनुप, सुबेसिंह, भूपसिंह आदि सौंपे ज्ञापन में लिखा है कि गाँव भैंसली में 24 घंटे शराब का ठेका खुल्ला रहता है, जो कि राजस्थान सरकार की शराब नीति के विरूद्ध है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि उन्होंने आबकारी विभाग राजगढ व चूरू, बीकानेर जोन हर जगह शिकायत की है मगर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। साथ ही आरोप लगाया है कि 24 घंटे शराब ठेका खुल्ला रहने के कारण गांव में आवारा लोग रातभर घुमते रहते है, जिसके कारण गाँव में दहशत का माहौल बना रहता है। जिसको लेकर ग्रामीणों ने कार्यवाही की माँग की है। ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर चूरू को भी भेजी गई है।

मोहल्ला धाणकान में बरसाती पानी घरों में घुसा, लोग बाहर निकले

सादुलपुर, (निसं)। चाँदगोठी गाँव में अतिवृष्टी के कारण मौहल्ला धाणकान में बरसाती पानी भरने से घरों में पानी ने लोगों को घर से बाहर निकलने को मजबूर कर दिया है।

वहीं इसी मामले को लेकर सादुलपुर विधायक डॉ. कृष्णा पूनियां एवं प्रशासन ने महेन्द्र लुगरिया को मौका निरीक्षण के लिए अधिकृत किया। जिसके बाद महेन्द्र लुगरियां समाज के गणमान्य होने के कारण चाँदगोठी पहुंचे और समाज के लोगों से मिले तथा विचार विमर्श कर आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द विधायका से वार्ता कर पीडित परिवारों की मदद की जायेगी तथा पानी निकासी के लिए स्थाई व्यवस्था करवाई जायेगी।

इसी के साथ चाँदगोठी के सरपंच व पटवारी से भी वार्ता की गई। जिसमें पटवारी ने बताया कि हमने जगह चिन्हित कर ली है, तथा एक बार पानी की निकासी के लिए अस्थाई व्यवस्था की गई है जल्द ही आदेश मिलने पर पानी निकासी की स्थाई व्यवस्था करवा दी जायेगी। इस अवसर पर समाज के गणमान्यजन विनोद बागडी, रामकुमार डाबला, बीरसिंह मोडवासी भी पीडित लोगों की कुशलक्षेप पूछने के लिए लुगरिया के साथ रहे।

चांदगोठी गांव में अतिवृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त मकानों का निरीक्षण करने पहुंचे समाज के गणमान्यजन महेन्द्र लुगरिया व विनोद बागड़ी।

दो ई-मित्रों पर कार्रवाई की

नवलगढ़, (निसं)। ई-मित्र की सेवाओं में सुगमता बनाए रखने एवं वित्तीय अनियमितताओं को रोकने के लिए समय-समय पर ई-मित्र कियोस्क धारकों की जांच की जाती है। ब्लॉक में उपखंड अधिकारी सुमन सोनल के निर्देश पर प्रोग्रामर सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा गठित टीमों द्वारा ग्राम पंचायत कारी के ई मित्र कियोस्क धारक संदीप कुमार के केंद्र पर अधिक वसूली तथा फर्जी मोहर लगी हुई पाई जाने के कारण 5000 रूपए की शास्ति लगाई गई। साथ ही ग्राम पंचायत लोहार्गल के ई-मित्र कियोस्क धारक मुकेश कुमार सैनी के ई मित्र पर भी अधिक वसूली पाई जाने के कारण 7 दिवस के लिए निलंबित किया गया। अपील है कि अगर किसी भी ई-मित्र पर रेट लिस्ट चस्पा नहीं हो अथवा निर्धारित राशि से अधिक राशि वसूल की जाती है तो हेल्पलाईन 181 पर या सीधे सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग पंचायत समिति नवलगढ में शिकायत दर्ज करवाए।

दो दिवसीय नि:शुल्क मेडिकल शिविर का समापन

मुंबई से पधारे डॉक्टरों का लॉयंस क्लब की ओर से दुपट्टा ओढ़ाकर माल्यार्पण कर अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया गया।

- मुंबई से पधारे डॉक्टर्स का लॉयंस क्लब झुंझुनूं ने किया सम्मान

झुंझुनूं, (निसं)। स्टेशन रोड बॉम्बे कॉम्प्लेक्स के सामने वरदान मेडिजन (डॉक्टर जैन्स क्लीनिक) पर स्व. डॉ. जेसी जैन की 89वीं जन्म तिथि पर आयोजित दो दिवसीय निशुल्क मेडिकल शिविर समापन पर मंगलवार दोपहर शिविर में उत्कृष्ट सेवाएं देने हेतु मुंबई से पधारे डॉ. अभिजीत शाह एवं डॉ. साक्षी शाह का लॉयंस क्लब झुंझुनूं की ओर से दुपट्टा ओढाकर माल्यार्पण कर अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे पीआरओ डॉ. डीएन तुलस्यान ने क्लब की ओर से स्व. डॉ. जैन परिवार का कैंप के सफल आयोजन पर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर स्व. डॉ. जैन परिवार की ओर से शिविर में सेवाएं देने हेतु डॉ. एनएस नरूका, डॉ. अभिजीत शाह, डॉ. साक्षी शाह, डॉ. अनुश्री, लैब इंचार्ज चंद्रमोहन अग्रवाल एवं शिविर संयोजक लॉयन कैलाशचंद्र टेलर सहित अन्य जन को प्रतीक चिह्न भेंट किए गए।

शिविर का आयोजन स्व. डॉ. जेसी जैन एवं स्व. डॉ. कुंदन बाला जैन परिवार द्वारा लॉयंस क्लब झुंझुनूं के तत्वावधान में किया गया। दो दिवसीय शिविर में स्व. डॉ. जेसी जैन के दोहिते डॉ. अभिजित शाह मुंबई मूत्र, प्रोस्टेट, पथरी, गुर्दा रोग विशेषज्ञ एवं दोहिते की धर्मपत्नी डॉ. साक्षी शाह मुंबई चर्म रोग विशेषज्ञ द्वारा बालों की समस्या, मुंह पर झाइयां एवं त्वचा के रोगियों की जांच कर उन्हें निशुल्क चिकित्सा परामर्श दिया गया। रोगियों को शिविर में उपलब्ध 5 दिवस की दवाइयां निशुल्क वितरण की गई। जरूरत के अनुसार रोगियों की सभी प्रकार की जांच भी निशुल्क करवाई गई।

अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में विशेष शिक्षक लगाने की मांग, ज्ञापन सौंपा

मांग को लेकर विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया को ज्ञापन सौंपते क्षेत्र के प्रशिक्षित बेरोजगार।

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर विधायक डॉ. कृष्णा पूनिया को महात्मा गाँधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में विशेष शिक्षक लगाने हेतु मंगलवार को सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रशिक्षित बेरोजगारों ने ज्ञापन सौंपकर प्रत्येक विद्यालय में एक-एक विशेष शिक्षक लगाने की माँग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय और भारत सरकार द्वारा शिक्षा के अधिकार नियम के तहत संपूर्ण देश में और राजस्थान के प्रत्येक विद्यालय में एक-एक विशेष शिक्षक का पद अनिवार्य कर रखा है।

वहीं इसी क्रम में आज अंकित कुमार, दिवाकर, कौशल छापोला, प्रदीप व हरिश कुमार सहित अन्य कई बेरोजगारों ने सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि आगामी भर्ती में राजकीय अंग्रेजी माध्यम महात्मा गाँधी विद्यालय में एक-एक विशेष शिक्षक लगाया जाए तथा पीछे की गई भर्ती में रिक्त पदों की एवज में भी विशेष शिक्षक लगाए जाएं और विशेष शिक्षकों के पद बढाए जाएं। जिससे दिव्यांगजन और विशेष बच्चों को शिक्षा पाने में सहायता और सुविधा मिल सके। इस अवसर पर प्रदीप टाक, उमेश, कल्पना, निशा, रेनू, प्रियंका आदि भी उपस्थित रहे।

बदहाल स्टैण्ड की दुर्गंध से ग्रामीण घुटन भरा जीवन जीने पर मजबूर

नोरंगपुरा में प्रशासन ने बस स्टैण्ड की अब तक नहीं ली सुध

सादुलपुर, (निसं)। मामूली बरसात के बाद नोरंगपुरा गाँव के बस स्टेण्ड पर चार-चार फिट पानी भरने से लोग अपने घरों में खस्ता हाल स्टेण्ड की दुर्गन्ध से घुटन भरा जीवन जीने पर मजबूर हैं। साथ ही पानी निकासी अभाव में ग्रामीणों का बस स्टेण्ड पर आवागमन पूर्णत्या बंद हो जाता है।

दूसरी ओर इस प्रकार की विडम्बना पर प्रशासन द्वारा संज्ञान नहीं लेने से ग्रामीणों में रोष है। वहीं जिला परिषद सदस्य सुमन सुलखनीया व पंचायत सदस्य सदस्य धर्मवीर सुलखनिया ने जिला परिषद में सीईओ को ज्ञापन सौंपकर पानी निकासी समस्या का स्थाई समाधान करवाने की माँग की है। सासंद राहुल कस्वां ने भी दिशा की मीटिंग में नोरंगपुरा बस स्टेण्ड पर पानी निकासी की समस्या पर बार-बार अवगत कराने पर भी अधिकारियो द्वारा संज्ञान ना लेने पर सख्त शब्दों से प्रशासन कों निर्देशित करते हुए कहा था कि आपकी लापरवाही आम जनता का जीवन अस्त व्यस्त कर देती है व जल्द से जल्द बस स्टेण्ड सुधार के आदेश दिए थे, लेकिन अब तक राज्य सरकार के कर्मचारियों ने कोई सुध नहीं ली।

साथ ही हाल ही में हुई पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक में प. स. सदस्य धर्मवीर सुलखनिया ने पहला मुद्दा ही नोरंगपुरा बस स्टेण्ड के सुधार का उठाया तथा रोष में आकर कहा की पिछलें 4 सालों से मैं बार-बार इसी मुद्दे कों उठाता हूँ, लेकिन प्रशासन के कान पर जुँ तक नहीं रेंगती, प्रशासन तो अपने घरों में मस्त है पर नोरंगपुरा बस स्टेण्ड के कीचड व बरसाती पानी ने लोगों के जीवन को नरक बना दिया है, स्टेण्ड की खस्ता हालात सात गाँवों के राहगीरों कों प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि मात्र 10-15 मिनट की वर्षा से स्टेण्ड पर 4 फीट बरसाती पानी भर जाता है। जिसके कारण लोग अपने घरों में खस्ता हाल स्टेण्ड की दुर्गन्ध से घुटन भरा जीवन जीने पर मजबूर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के प्रतिनिधि केवल वादा करके जाने के बाद वापस नहीं लोटे। जि.प.स. सुमन सुलखनिया व प.स.स.धर्मवीर सुलखनिया ने कहा कि मेरे क्षेत्रवासियों के बीच रहता हूँ उनकी समस्या का जब तक हल नहीं होगा मैं चैन से नहीं बैठ सकता, ग्रामीणों का रोष चरम सीमा पर हैं इसलिए राजगढ एसडीएम व बीडाओ को जल्द से जल्द बस स्टेण्ड समस्या निवारण के लिए ज्ञापन सौंपा।

कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा, रतनगढ़ जिला चूरू

फोन नं.-Email-:cbeortn@gmail.com

क्रमांकः-सीबीईओ/समसा/रतनगढ़/2023-24/29 दिनांक 11.07.2023

खुली प्रतियोगी बोली आमंत्रण सूचना वर्ष (2023-24)

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2023-24 में आयोजित होने वाले विभिन्न शिक्षण प्रशिक्षण शिविरों में संभागियों के लिए चाय, नाश्ता, भोजन व्यवस्था व टेन्ट सामग्री एवं अन्य व्यवस्था हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

NIB- RSE2324A0454

UBN-RSE2324SSRC00883 (भोजन)

UBN-RSE2324SSRC00884 (बैठक व्यवस्था)

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा, रतनगढ़

UNIVERSITY OF ENGINEERING AND MANAGEMENT

IEM | UEM GROUP Jaipur and Kolkata

Campus: 'Gurukul', Udaipuria Mod, 6 kms. from Chomu on Sikar Road, Jaipur-303807 (Rajasthan)
City Office: 210-212, 2nd Floor, Apex Tower, Lalkothi, Tonk Road, Jaipur-302015 | 0141-4063336

9887313330, 9887933330
9887413330, 9887613330

Global Ratings
QS I-GAUGE EMPLOYABILITY DIAMOND | QS I-GAUGE FACILITIES DIAMOND | QS I-GAUGE ENTREPRENEURSHIP GOLD | QS I-GAUGE STUDENT DIVERSITY GOLD | QS I-GAUGE TEACHING & LEARNING DIAMOND

INDIA TODAY BEST COLLEGE RANKING SURVEY - 2022

SHALBY ACADEMY (A Unit of SHALBY LIMITED)

Cambridge Assessment English Authorised Centre

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये UGC (University under Section 2(f) of the UGC Act)

AICTE APPROVED

ASSOCIATION OF INDIAN UNIVERSITIES AIU MEMBER

NAAC ACCREDITED

UEM Jaipur is ranked in the Top Position (1st) in North India in 2023, under Institution's Innovation Council by Ministry of Education, Govt. of India

UEM

JAIPUR

GOOD EDUCATION, GOOD JOBS

Admissions Open 2023-24

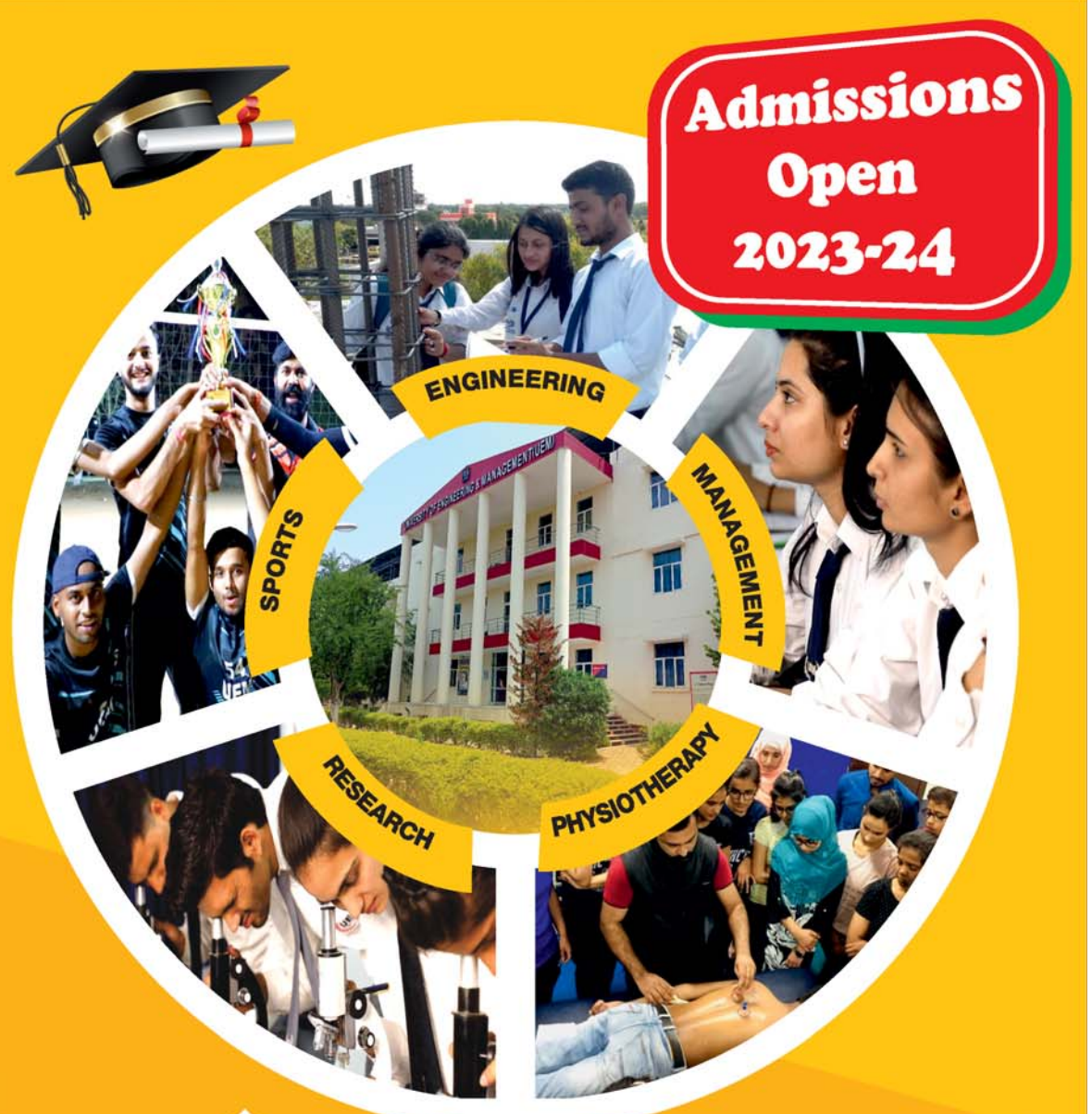

PLACEMENTS
INR 6.5 LPA Average Annual Salary
INR 72 LPA Highest Annual Salary
1963 + No. of Students
2894 + No. of Job Offers
550 + No. of Companies

MORE THAN ₹ 5 CRORES WORTH SCHOLARSHIPS PROVIDED TO THE MERITORIOUS STUDENTS

MORE THAN 8000+ CERTIFICATION FROM FOREIGN UNIVERSITIES
HARVARD BUSINESS SCHOOL | edX | coursera Education for Everyone

FOREIGN UNIVERSITY COLLABORATIONS
UNLV | RENNES | 岩手県立大学 | GIIM | Brunel University London | RICHARD A. CHAIFETZ SCHOOL OF BUSINESS SAINT LOUIS UNIVERSITY

B.TECH
M.TECH
Computer Science & Engineering | Electronics & Communication Engineering | Electrical Engineering | Civil Engineering | Mechanical Engineering
Artificial Intelligence (A.I.) & Machine Learning (M.L.)

BBA, MBA
MBA Executive
MBA Hospital & Healthcare Management

BCA, MCA
BPT, MPT
Ph.D
Computer Science & Engineering | Electrical Engineering | Civil Engineering | Electronics & Communication Engineering | Mechanical Engineering | Management | Physics | Chemistry | Mathematics | Humanities | English|

★ ★ ★ ★ ★
One of the Best Placement Records of the Country - Placement at UEM Jaipur continues till the last willing student is placed

ACADEMIC
- Industrial exposure
- Excellent classrooms and lecture theatres
- Modern Library with 24,000 + books
- Laboratories with cutting-edge technology
- Wifi Campus/Internet Labs

INFRASTRUCTURE
- Over 32 acres of lush green campus
- 300- capacity acoustically designed auditorium
- Multi Cuisine food courts, cafeteria and central mess
- Gymnasium, playground & sports facilities for healthy lifestyle

PARTICIPATE IN OFFLINE
IEMJEE 2023 EXAM
TO AVAIL EXCELLENT
SCHOLARSHIPS

Admission Helplines: 98873-13330, 98874-13330, 98876-13330, 98879-33330

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में 85 फ़ीसदी पदों पर गहलोत-डोटासरा समर्थकों का कब्जा

सचिन पायलट को मिले सांत्वना के रूप में कुछ पदाधिकारी उनमें भी नए लोगों को मौका नहीं दिला पाए

- 25 जिलाध्यक्षों में से पांच हुए रिपीट, सचिन पायलट को मिला सिर्फ टोंक, अब तक घोषित 38 जिला अध्यक्षों में सिर्फ सीकर में महिला अध्यक्ष
- कार्यकारिणी में सिर्फ 15 फ़ीसदी महिलाओं को मौका, कई जाति वर्गों को नहीं मिला प्रतिनिधित्व

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही संगठन की रणनीति तय कर दी गई है। कार्यकारिणी के साथ ही 25 जिला अध्यक्षों की भी घोषणा की गई है। इन 25 जिलाध्यक्षों में एक भी महिला नहीं है। वही अब तक घोषित 38 जिला अध्यक्षों में सिर्फ सीकर जिले में एकमात्र महिला जिला अध्यक्ष बनी है। कार्यकारिणी में बहुत से जाति, वर्गों को मौका नहीं मिला।

वही कार्यकारिणी की बात करें तो प्रदेश कार्यकारिणी में केवल 15 फीसदी पदों पर महिलाओं को ही जगह मिली है। मंत्रियों को एक व्यक्ति एक पद के फार्मूले पर संगठन के पदों से हटा दिया है। अब मौजूदा कार्यकारिणी में एक भी मंत्री नहीं है। कई पायलट समर्थक संगठन से बाहर हो गए हैं। कार्यकारिणी में 80 फीसदी पदाधिकारी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के समर्थक हैं। चुनावी साल इसे गहलोत खेमे के संगठन पर दबदबे के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं सचिन पायलट के समर्थकों को भी कार्यकारिणी में मौका तो मिला है, लेकिन जितने लोगों को मौका मिला है उनसे ज्यादा हटाए गए हैं। इसे सिर्फ सचिन पायलट को दी गई सांत्वना के रूप में देखा जा रहा है। उनमें भी पायलट समर्थक जो पदाधिकारी बनाए गए हैं, अधिकांश वही हैं, जो पहले से पदाधिकारी थे या विधायक हैं। इसे लेकर कहा जा रहा है कि सचिन पायलट कुछ लोगों में सिमट कर रह गए और नए लोगों को मौका देने में चूक गए। सचिन पायलट के समर्थकों को जितनी जगह दिए जाने की उम्मीद थी, उससे कम जगह दी गई है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा अपने समर्थकों को संगठन के पद दिलाने में कामयाब हुए हैं, साथ ही उन्होंने अपने समर्थकों को बहुत जल्दी पदोन्नत भी कर दिया है। पुरानी कार्यकारिणी में सचिन पायलट समर्थक प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, महासचिव रहे वेदप्रकाश सोलंकी, सचिव महेंद्र सिंह खेडी, गजेंद्र सांखला, शोभा सोलंकी ललित यादव को बाहर कर दिया है। चाकसू से पायलट समर्थक विधायक वेदप्रकाश सोलंकी लगातार पायलट के समर्थन में बयानबाजी करते रहे थे, सोलंकी ने कई बार सरकार पर भी सवाल उठाए थे। ऐसे में सोलंकी को इस बार प्रदेश महासचिव पद से हटा दिया है। पिछली कार्यकारिणी में उन्हें प्रदेश महासचिव बनाया था। पायलट समर्थक महेंद्र सिंह खेड़ी, निंबाराम गरासिया को सचिव पद से हटा दिया है।192 की प्रदेश कार्यकारिणी में पायलट समर्थकों को जगह मिली है, लेकिन उनकी संख्या केवल 20 के आसपास है। पायलट समर्थक दो नेताओं गजराज खटाना और दर्शन गुर्जर को उपाध्यक्ष बनाया है।

वहीं 48 महासचिवों में पायलट समर्थक 9 लोगों राकेश पारीक, महेंद्र सिंह गुर्जर, प्रशांत शर्मा, इंद्राज गुर्जर, मुकेश भाकर, राजेश चौधरी, सुरेश मिश्रा, संजय जाटव और सोना देवी बावरी को महासचिव बनाया है।

प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में बनाए गए 121 सचिवों में पायलट समर्थकों की संख्या भी बहुत कम है। सचिवों में अनिल चोपड़ा, हिमांशु कटारा, विक्रम वाल्मीकि, सुरेंद्र लांबा, आजाद सिंह राठौड़, नरपत और विभा पायलट समर्थक हैं। वहीं यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के बेटे अमित धारीवाल को कांग्रेस का प्रदेश महासचिव बनाया गया है। कहा जा रहा है कि शांति धारीवाल इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगे और अपने बेटे अमित धारीवाल को टिकट दिलाने की पैरवी करेंगे।

कांग्रेस लगातार महिलाओं को 33 फीसदी टिकट देने की पैरवी करती रही है, लेकिन संगठन में भी उन्हें केवल 15 फीसदी पद दिए गए हैं। प्रदेश कार्यकारिणी के 192 पदों में से केवल 29 महिलाओं को जगह दी गई है। जो 15 फीसदी भी पूरी नहीं है । 21 उपाध्यक्ष में से 2 महिला उपाध्यक्ष, 48 महासचिवों में से 9, 121 सचिवों में से 18 सचिव के पद महिलाओं को दिए हैं। कांग्रेस ने कल 25 जिलाध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति की। उनमें से एक भी महिला नहीं है। कांग्रेस में इससे पहले 13 जिलाध्यक्ष बनाए थे। उनमें केवल एक महिला जिलाध्यक्ष बनाई गई थी। वही पाली जिले के अध्यक्ष अजीज दर्द, हनुमानगढ़ के सुरेंद्र दादरी, बीकानेर के यशपाल गहलोत, कोटा के रविंद्र त्यागी, बूंदी से सीएल प्रेमी दूसरी बार अध्यक्ष बने हैं।

ब्रह्मकुमारीय व एन.सी.सी. के सिद्धांत एक समान : एल.के.जैन

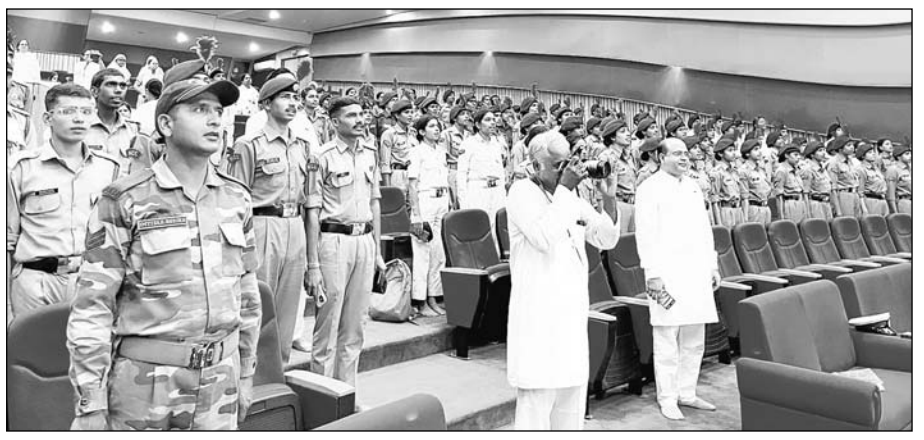

ब्रह्माकुमारीज राजयोग भवन वैशाली नगर के प्रभुनिधि सभागार में मंगलवार को एन.सी.सी. कैडेट्स के लिये सेल्फ एंपावरमेंट लीडरशिप एंड टीम बिल्डिंग कार्यक्रमों की श्रंखला का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जयपुर, (का.सं.)। ब्रह्माकुमारीज राजयोग भवन वैशाली नगर के प्रभुनिधि सभागार में एन.सी.सी. केडेट हेतु आयोजित किये जाने वाले सेल्फ एंपावरमेंट लीडरशिप एंड टीम बिल्डिंग कार्यक्रमों की श्रंखला का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राजयोग एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण के जरिए एन.सी.सी. केडेट्स को मूल्यों के प्रति सजग कर देश का आंतरिक तौर पर मजबूत प्रहरी बनाने का प्रयास किया जायेगा। शुभारम्भ में सभा को संबोधित करते हुए एयर कमोडोर एल.के. जैन ने बताया ब्रह्माकुमारीज एवं एन.सी.सी. के सिद्धांत एक समान है। जिस प्रकार संस्था आध्यात्मिकता द्वारा अनुशासन के प्रेरित करती है ऐसे ही देश एन.सी.सी. भी अपने केडेट में अनुशासन को कूट कूट कर भरता है। ब्रह्माकुमारीज जयपुर की उपक्षेत्रीय संचालिका बीके सुषमा दीदी ने बताया कि एन.सी.सी. केडेट्स आने वाले समाज को दिशा दिखाने में अहम् भूमिका निभा सकते है। व्यवस्थित जीवनशैली वाला केडेट ही प्रेरणाश्रोत बन सकता है। उन्होंने केडेट्स को बुरी आदतों से दूर रहकर अनुशासित जीवन शैली अपनाने का महत्व बताया।

भारतीय सेना के कर्नल बी.सी. सती ने केडेट्स में जोश भरते हुए अपने कार्यकाल में आयी विपरीत परिस्थितियों को मैडिटेशन से सहज पार करने के गूर सिखाये। आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रंखला में कार्यक्रम के अंत में बीके चन्द्रकला दीदी ने राजयोग मैडिटेशन का अभ्यास करवाया गया। तथा एन.सी.सी. गाना हम सब भारतीय है, बजाकर कार्यक्रम का समापन किया गया तथा कार्यक्रम में भारतीय सेना के अफसरों सहित 300 केडेट्स ने हिस्सा लिया।

सहकारी समितियों का उप रजिस्ट्रार व निरीक्षक पांच लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

देशराज यादव

अरुण प्रताप सिंह

जयपुर,(कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मंगलवार को सहकारी समिति उप रजिस्ट्रार एवं निरीक्षक को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीमें दोनों अधिकारियों के आवास व उप रजिस्ट्रार के मिनी सचिवालय और निरीक्षक के टोंक रोड स्थित देव नगर कार्यालय सहित अन्य ठिकानों पर एसीबी की अलग-अलग सर्च करने में जुटी थी। एसीबी ट्रैप के बाद आरोपी उप रजिस्ट्रार देशराज यादव व निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह को एसीबी मुख्यालय लेकर गई।

एडीजी एसीबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की विशेष अनुसंधान इकाई को परिवादी ने शिकायत दी कि कॉपरेटिव सोसायटी के किराये के कार्यालय पर सहकारिता विभाग की टीम की डाली गई रेड के कार्रवाई में मदद करने की एवज में सहकारी समिति उप रजिस्ट्रार देशराज यादव व निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह ने 20 लाख रुपए की रिश्वत मांग कर उसे परेशान कर रहे है। इस पर एसीबी जयपुर के डीआईजी रणधीर सिंह के सुपर वीजन में एसीबी विशेष अनुसंधान इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बजरंग सिंह शेखावत के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। शिकायत सही पाई जाने पर मंगलवार को सीआई रघुवीर शरण ने ट्रेप कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान देशराज यादव पुत्र रामजीलाल यादव निवासी 15, सरस्वती नगर- ए. गैटार रोड, मालवीय नगर, जयपुर, अरूण प्रताप सिंह पुत्र श्याम सिंह निवासी फ्लेट नं0 808, आशियाना ग्रीन वुड, जगतपुरा को परिवादी से 5 लाख की रिश्वत राशि लेते हुये गिरफ्तार कर लिया। परिवादी ने बताया कि इस राशि से पहले भी आरोपी उसे इस काम के लिए 5 लाख रुपए ले चुके हैं। रिश्वत की दूसरी किश्त देते हुए एसीबी ने दोनों अधिकारियों धर दबोचा। एसीबी के सत्यापन में खुलासा हुआ है कि आरोपी उप रजिस्ट्रार रिश्वत लेने में इतना बेखौफ था कि परिवादी को बोला कि ऊपर भगवान और नीचे में हूं किसी से नहीं डरते। मामले के अनुसार नील कमल शुक्ला की सिंधू नगर कोऑपरेटिव सोसायटी है। उसने अपनी कोऑपरेटिव सोसायटी का ऑफिस राजापार्क पंचवटी स्थित सहकारिता विभाग की ही करीब 800 वर्ग गज जमीन पर खोल रखा है। यह ऑफिस 15 साल पहले किसी कॉलोनाइजर से किराए पर लिया था। आरोपी देशराज यादव इस बेस कीमती जमीन को किसी अन्य बिल्डर के माध्यम से हथियाना चाह रहा था। ऑफिस खाली करवाने के लिए देशराज ने सहकारिता विभाग की ओर से 24 जून को पुलिस जाप्ता लेकर छापा डाला था। छापे के बाद वहां दो कमरों को सील कर दिया। दोनों सील कमरों में सोसायटी के दस्तावेज रखे हुए थे। सील कमरों को नील कमल शुक्ला खुलवाना चाह रहा था। इस पर देशराज यादव दोनों कमरों को खोलने की एवज में 20 लाख रुपए मांग रहा था। बातचीत कर 10 लाख रुपए में कमरे खोलना तय हुआ। इसके बाद आरोपी 5 लाख रुपए पहले ले चुके थे। मंगलवार को दूसरी किस्त के 5 लाख रुपए लेते ट्रैप कर लिया गया।

परिवादी ने बताया कि सहकारी समिति के भवन में चल रहे उसके ऑफिस को खाली करने की मियाद पूरी हो गई। लेकिन उसने कोर्ट से स्टे ले रखा है। उक्त भवन को किराए से लेने के लिए एक प्रॉपर्टी व्यवसायी उप रजिस्ट्रार को 2 करोड़.रुपए देने का तैयार हो गया। परिवादी ने बताया कि आरोपी उप रजिस्ट्रार ने 30 लाख रुपए लेकर ऑफिस खाली करने का ऑफर भी दिया। लेकिन उसने मना कर दिया। जबरन उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। उप रजिस्ट्रार देशराज यादव के कहने पर परिवादी से निरीक्षक अरूण प्रताप सिंह ने 5 लाख रुपए रिश्वत के मांगे।

प्रदेश से बाहरी अभ्यर्थियों को भर्ती में शामिल नहीं करने पर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने नेत्र सहायक भर्ती-2023 परीक्षा में प्रदेश से बाहरी अभ्यर्थियों को शामिल नहीं करने पर प्रमुख चिकित्सा सचिव और राजस्थान पैरामेडिकल कौंसिल से जवाब मांगा है। अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थी का आवेदन स्वीकार कर भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश ऋषभ की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता हरियाणा का मूल निवासी है और उनसे निम्स कॉलेज से ऑथैल्मिक टेक्नोलॉजी में दो वर्षीय डिप्लोमा कार्स कर रखा है। वहीं उसे राजस्थान पैरा मेडिकल कौंसिल से प्रोविजनल डिग्री भी मिल गई है। याचिकाकर्ता ने जब आरपीएमसी में ऑनलाइन आवेदन किया तो उसका आवेदन राजस्थान का मूल निवासी नहीं होने के आधार पर खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया कि वह आरपीएमसी में पंजीकरण के अभाव में नेत्र सहायक भर्ती में आवेदन नहीं कर सकता है।

कंट्रोल रूम की स्थापना

जयपुर, (का.सं.)। पन्द्रहवीं राजस्थान विधानसभा के अष्टम सत्र की बैठक 14 जुलाई से पुन: आयोजित होगी।

सत्र के दौरान प्राप्त होने वाले तारांकित एवं अतारांकित सहित अन्य प्रस्तावों के जवाब सही समय पर भिजवाने के लिए कलक्ट्रेट में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

ऐसे ही बयानों से कांग्रेस की स्थिति "शूर्पणखा" जैसी : शेखावत

जयपुर। राजस्थान के सैनिक कल्याण राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के विवादित बयान पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह जानबूझकर दिया गया बयान है। ऐसे ही बयानों की वजह से आज कांग्रेस की स्थिति "शूर्पणखा" जैसी है। मंगलवार को ट्वीट कर शेखावत ने कहा कि हिंदुओं की हंसी उड़ाने और अपने वोट बैंक की चमकाई करने के लिए कितना नीचे गिरेंगे ये कांग्रेसी? भारत की आस्था प्रभु श्रीराम को पागल बताते हुए राजस्थान सरकार के मंत्री राजेंद्र गुढ़ा को स्वयं के अस्तित्व पर शर्म नहीं आई? शेखावत ने कहा कि यह जानबूझकर दिया गया बयान है। ऐसे ही बयानों की वजह से आज कांग्रेस की स्थिति "शूर्पणखा" जैसी है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ बदलाव के दौर की शुरूआत करेगी टीम इंडिया

रोसीयू (डोमिनिका), 11 जुलाई। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के जरिये बदलाव के दौर की शुरूआत करेगी तो फोकस युवा यशस्वी जायसवाल पर रहेगा ।

मेजबान वेस्टइंडीज के लिये विश्व कप क्वालीफायर में मिली हार के जख्म अभी ताजा हैं और वह भारत जैसी मजबूत टीम को हराकर विश्व क्रिकेट में अपना अस्तित्व बनाये रखने की कोशिश में होगा।

चेतेश्वर पुजारा को बाहर किये जाने के बाद भारतीय शीर्षक्रम में एक जगह खाली हुई है । उम्मीद की जा रही है कि मुंबई का बेहद प्रतिभाशाली बल्लेबाज जायसवाल उस कमी को पूरा करेगा और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के शानदार फॉर्म को यहां जारी रख पायेगा । वैसे सीधा हल तो उसे तीसरे नंबर पर उतारना होगा लेकिन शुभमन गिल स्वाभाविक तौर पर मध्यक्रम का बल्लेबाज है। जायसवाल मुंबई , पश्चिम क्षेत्र और शेष भारत के लिये पारी की शुरूआत करता आया है। शीर्षक्रम पर उतरना उसके लिये मुश्किल नहीं होगा। इस साल के आखिर में दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले उसके लिये अनुभवी केमार रोच, शेनोन गैब्रियल, अलजारी जोसफ और जैसन होल्डर जैसे गेंदबाजों को खेलना अच्छा अनुभव होगा। भारत का नया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र पिछले दो चक्रों की तुलना में कठिन होगा । पिछले दो सत्र में भारतीय टीम बेहतरीन तेज गेंदबाजी और सधे हुए बल्लेबाजी क्रम के दम पर फाइनल में पहुंची थी।

अब प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह लंबे समय से चोटिल हैं जबकि मोहम्मद शमी को इस श्रृंखला के लिये आराम दिया गया है । भारतीय टीम के आक्रमण में धार की कमी दिख रही है । ईशांत शर्मा पिछले दो चक्र खेले हैं लेकिन इस बार कमेंट्री करेंगे जबकि 36 वर्ष के उमेश यादव का हैमस्ट्रिंग चोट के बाद वापसी कर पाना मुश्किल है ।

ऐसे में 19 वर्ष के मोहम्मद सिराज तेज आक्रमण की अगुवाई करेंगे जिनका साथ देने के लिये नौ टेस्ट का अनुभव रखने वाले शार्दुल ठाकुर होंगे । ऐसे में एक बार फिर दारोमदार रविचंद्रन अश्विन (474 विकेट) और रविंद्र जडेजा (268) की स्पिन जोड़ी पर रहेगा । इन चारों का चयन तो तय है लेकिन मुकेश कुमार, जयदेव उनादकट और नवदीप सैनी में से एक को चुनना आसान नहीं होगा। विकेटकीपर के तौर पर कोना भरत पर ईशान किशन को तरजीह दिये जाने की उम्मीद है जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भी खुद को साबित किया है। विंडसर पार्क पर छह साल बाद टेस्ट मैच होने जा रहा है और इसी प्रारूप में पिछले कुछ साल में कैरेबियाई टीम अच्छा खेल पाई है । ऐसे में यह सोचना मूर्खता होगी कि विश्व कप क्वालीफायर का असर टेस्ट में उनके प्रदर्शन पर पडेगा।

उनके पास रोच (261 विकेट) और गैब्रियल (164 विकेट) जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं । गैब्रियल सफेद गेंद का क्रिकेट नहीं खेलते हैं। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे और विराट कोहली के लिये कैरेबियाई पिचों पर अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन चुनौतीपूर्ण रहेगा । तीनों की अपनी तरह की चुनौतियां होगी। रोहित के लिये 50 ओवरों के विश्व कप में बहुत कुछ दाव पर होगा । उन्हें दो मैचों की श्रृंखला पहले जीतनी होगी और विश्व कप के बाद टेस्ट कैरियर बचाये रखने के लिये बल्ले से भी योगदान देना होगा ।

विराट को कुछ बड़ी पारियां खेलनी होगी । आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर उनकी कमजोरी कैरेबियाई गेंदबाज भांप सकते हैं । ऐसे में खराब प्रदर्शन टीम में उनके स्थान पर भी प्रश्नचिन्ह लगा सकता है। कोहली और पुजारा दोनों ने पिछले तीन साल में 30 से कम की औसत से टेस्ट रन बनाये लेकिन पुजारा को बाहर का रास्ता देखना पड़ा।

रहाणे टीम में वापसी कर रहे हैं और उन्हें उपकप्तान भी बनाया गया है । नाकाम रहने की दशा में सबसे पहले बाहर होने वालों में वही होंगे चूंकि रूतुराज गायकवाड़ का दावा भी मजबूत है । श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी वापसी करेंगे।

मैनचेस्टर में न भी खेलूं तो कोई गम नहीं : एंडरसन

लंदन, 11 जुलाई। इंग्लैंड के अनुभवी गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध मैनचेस्टर में होने वाले चौथे एशेज़ टेस्ट से पहले स्पष्ट कर दिया है कि अगर उन्हें घरेलू मैदान पर खेलने का मौका न भी मिले तो उन्हें इसका कोई मलाल नहीं होगा।

इस महीने के अंत में 41 साल के होने वाले एंडरसन लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेले गये तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड की टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। उन्होंने शृंखला के शुरुआती दो मैचों में 75.33 की औसत से सिर्फ तीन विकेट ले सके, जिसके बाद उन्हें एकादश से बाहर रखने का फैसला लिया गया।

यह भले ही मैनचेस्टर में अपने घरेलू मैदान पर खेलने का एंडरसन का संभवत: आखिरी मौका हो, लेकिन वह जानते हैं कि कोच ब्रैंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स भावनाओं के वेग में बहकर कोई फैसला नहीं लेंगे। एंडरसन ने टेलीग्राफ में अपने स्तंभ में लिखा, "यह एशेज शृंखला है और अगले टेस्ट के लिये चयन में पुरानी यादों की भूमिका होने की बिल्कुल भी संभावना नहीं है। जिमी एंडरसन को (मैनचेस्टर में ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम के) जिमी एंडरसन छोर पर गेंदबाजी करने देना अच्छी कहानी है, लेकिन बेन स्टोक्स या ब्रेंडन मैकुलम के दिमाग में यह विचार नहीं होगा। वे उस विशेष सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिये सबसे मजबूत टीम चुनेंगे। वे जो भी निर्णय लें, मैं इससे पूरी तरह खुश हूं।"

शुरुआती दो मैचों में एंडरसन के प्रदर्शन को अगर नज़रंदाज़ कर दिया जाये तो स्टोक्स के कप्तानी संभालने के बाद से वह टीम का एक अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने बाज़बॉल काल के 12 मैचों में 21.22 की औसत से 48 विकेट चटकाये हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड पर खेले गये 10 टेस्ट मैचों में भी उनकी औसत 22.02 की है। ओली रॉबिन्सन की पीठ में खिंचाव होने के कारण 19 जुलाई से शुरू होने वाले टेस्ट में एंडरसन को मौका मिलने की मज़बूत संभावना है। एंडरसन ने लिखा, "मैं जानता हूं कि मुझे टीम में जगह मिलने की कोई गारंटी नहीं और मैं यह भी समझता हूं कि कोच-कप्तान जीतने वाली टीम के साथ ही उतरना चाहेंगे। टीम चयन मेरे हाथ में नहीं। मैं सिर्फ यह कोशिश करता हूं कि मैं अच्छी स्थिति में रहूं और खेलने के लिये तैयार रहूं।"

उन्होंने लिखा, "जब आप अपने करियर के उस दौर में होते हैं जहां मैं हूं तो आपको नहीं मालूम होता कि आपका आखिरी मैच कौनसा होगा। अगर मैं खेलता हूं तो यह ओल्ड ट्रैफर्ड पर मेरा आखिरी टेस्ट हो सकता है। कौन जानता है? मैं इस बारे में नहीं सोच रहा। मैं बस टीम के साथ जुड़ा रहना चाहता हूं और जीत में योगदान देना चाहता हूं जिससे इंग्लैंड शृंखला में बराबरी कर ले।"

एंडरसन ने कहा कि वह एक मैच के आराम के बाद तरोताज़ा महसूस कर रहे हैं। दिग्गज गेंदबाज़ ने कहा कि शुरुआती दो मैचों में वह अत्यधिक संजीदगी के साथ खेले, लेकिन अगर उन्हें चौथे टेस्ट में मौका मिलता है तो वह अपने चेहरे पर मुस्कान लेकर मैदान पर उतरेंगे।

एंडरसन ने लिखा, "सीरीज के पहले दो मैचों को देखूं तो मालूम होता है कि मैं बहुत गंभीर और बहुत तीव्र संजीदा था। अगर मुझे ओल्ड ट्रैफर्ड में मौका मिलता है तो मैं चेहरे पर मुस्कान के साथ उतरूंगा।"

उन्होंने लिखा, "शृंखला अब जीवंत है और इसका हिस्सा बनना आश्चर्यजनक रहा है। मुझे फिर से योगदान करने का मौका मिलना अच्छा लगेगा। यह कुछ ऐसा है जो मैंने कई वर्षों से किया है। जब टीम को मेरी जरूरत हो तो आना और ऐसा प्रदर्शन करना जो खेल पर प्रभाव डाल सकता है।"

हसरंगा, गार्डनर को आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार

दुबई, 11 जुलाई। श्रीलंका के स्पिनर वानिंदु हसरंगा और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की ऑलराउंडर एशलेग गार्डनर को जून में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए मंगलवार को आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

जिंबाब्वे में विश्व कप क्वालीफायर में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद हसरंगा को इस पुरस्कार के लिए चुना गया। महिला एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली गार्डनर तीन बार महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनी। आईसीसी के हॉल ऑफ फेम में जगह बनाने वालों, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, मीडिया प्रतिनिधियों और आईसीसी-क्रिकेट.कॉम पर पंजीकृत वैश्विक क्रिकेट प्रशंसकों के विशेषज्ञ पैनल के बीच मतदान के बाद इन दोनों खिलाड़ियों को पुरस्कार के लिए चुना गया। हसरंगा ने पिछले महीने 10 के औसत से 26 विकेट चटकाए। उन्होंने विश्व कप क्वालीफायर में श्रीलंका के पहले मैच में यूएई के खिलाफ छह विकेट चटकाए और फिर ओमान और आयरलैंड के खिलाफ क्रमश: 13 और 79 रन देकर पांच-पांच विकेट हासिल किए। हसरंगा इस दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में लगातार तीन मैच में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बने। उन्होंने श्रीलंका को पांच अक्टूबर से भारत में शुरू हो रहे आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में अहम भूमिका निभाई। आईसीसी ने विज्ञप्ति में हसरंगा के हवाले से कहा, "यह (पुरस्कार) श्रीलंका क्रिकेट के लिए सही समय पर आया है, हमारे भारत में होने वाले क्रिकेट विश्व कप में जगह बनाने के बाद।

क्वार्टरफाइनल में उलटफेर का शिकार हुईं स्वियातेक

लंदन, 11 जुलाई। पोलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक मंगलवार को विंबलडन 2023 के क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की एलीना स्वितोलाना के हाथों उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गयीं। पूर्व विश्व नंबर तीन स्वितोलाना ने फॉर्म में लौटने का अंदेशा देते हुए विश्व नंबर एक स्वियातेक को 7-5, 6-7(5), 6-2 से हराकर दूसरी बार विंबलडन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीन बार फ्रेंच ओपन और एक बार अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्वियातेक का यह विंबलडन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह पिछले साल भी इस आयोजन में तीसरे चरण तक ही पहुंच सकी थीं। बीते अक्टूबर अपनी बेटी को जन्म देने के बाद अप्रैल 2023 में कोर्ट पर लौटीं स्वितोलीना पहले सेट में 3-5 से पिछड़ी हुई थीं, लेकिन इसके बाद उन्होंने अगले 18 में से 16 पॉइंट अपने हित में किये।

प्रो पंजा लीग में हिस्सा लेंगे 180 खिलाड़ी

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। प्रो पंजा लीग (पीपीएल) ने मंगलवार को पहले सीज़न में हिस्सा लेने वाले 180 खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 28 जुलाई से 13 अगस्त बीच होने वाले इस आयोजन के लिये खिलाड़ियों को किराक हैदराबाद, मुंबई मसल, रोहतक राउडीज, लुधियाना लायंस, बड़ौदा बादशाह्स और कोच्चि केडीज सहित छह टीमों में बांटा गया है। आठ बार के राष्ट्रीय पंजा चैंपियन राहुल पणिक्कर (70 किग्रा) रोहतक की फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट संजय देसवाल (100 किग्रा) इस फ्रेंचाइजी में उनके साथ हैं।

पीपीएल के पहले रैंकिंग टूर्नामेंट के 90 किग्रा वर्ग के विजेता सिद्धार्थ मालाकार किराक हैदराबाद में शामिल हुए हैं। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मोहसिन शेख (60 किग्रा) और पंजाब के हरमन मान (90 किग्रा) को बड़ौदा बादशाह्ज़ ने अपनी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाया है। महाराष्ट्र के तौहीद शेख (90 किग्रा) लुधियाना लायंस के अठाणी खिलाड़ी हैं। पंजाब राज्य चैंपियन शिवम राजपूत 100 किठाा भार वर्ग में उनका साथ देंगे। कोच्चि केडीज ने आकाश कुमार (70 किग्रा) पर भरोसा जताया है, जबकि काइल कमिंग्स (90 किग्रा) मुंबई मसल के अठाणी खिलाड़ी हैं। प्रत्येक टीम में कुल 30 खिलाड़ी हैं जो अलग-अलग भार वर्गों में अपनी फ्रेंचाइजी के लिये अंक बटोरने का प्रयास करेंगे। प्रो पंजा लीग के संस्थापक परवीन डबास ने कहा, "अपने पहले सीजन की शुरुआत से पहले ही प्रो पंजा लीग चर्चा में आ गयी है। इसे देखकर हमें खुशी हो रही है। हम इस समर्थन के लिये सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क का तहे दिल से धन्यवाद करते हैं। हमारी टीमें अब अंतिम रूप ले चुकी हैं और हमारे खिलाड़ी अपना दमखम दिखाने के लिये तैयार हैं।" प्रो पंजा लीग की सह-संस्थापक प्रीति झंगियानी ने कहा, "हमारे एथलीटों को सबसे बड़े मंच पर लाने के लिये हम सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के आभारी हैं। हमारे एथलीटों ने बीते कई सालों में एक लंबी यात्रा की है और अब आखिरकार उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिये एक मंच मिल गया है। अब 28 जुलाई से अरबों लोगों को यह देखने को मिलेगा कि टेबल पर आने के बाद ये एथलीट क्या-क्या कर सकते हैं।"

गैरी स्टीड 2025 तक बने रहेंगे न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कोच

वेलिंगटन, 11 जुलाई। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अलग अलग प्रारूप के लिये अलग कोच रखने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है और अब गैरी स्टीड ही अगले दो साल तक टीम के मुख्य कोच रहेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट के हाई परफॉर्मेंस महाप्रबंधक ब्रायन स्ट्रोनाक ने कहा कि अलग अलग कोच रखने के प्रस्ताव पर बात की गई और उसे खारिज कर दिया गया । जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कोचिंग स्टाफ की सेवायें ली जा सकती है ।

स्टीड को 2018 में नियुक्त किया गया था और दूसरी बार उनका कार्यकाल बढाया गया है । उनका मौजूदा करार भारत में होने वाले विश्व कप के बाद खत्म होना था लेकिन वह मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप सत्र के 2025 में खत्म होने तक पद पर रहेंगे । स्ट्रोनाक ने कहा ," खिलाड़ियों , सहयोगी स्टाफ और विभिन्न संघों के कोचों की ओर से गैरी के पक्ष में जबर्दस्त समर्थन था।

सुप्रीम कोर्ट ने ई.डी के निदेशक के एक्सटैंशन पर रोक लगाई

सुप्रीम कोर्ट ने निदेशक संजय मिश्रा को केवल 31 जुलाई तक पद पर बने रहने की अनुमति दी है

- सुप्रीम कोर्ट ने एन.जी.ओ. ''कॉमन कॉज़'' एवं अन्य की याचिका सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुनाया।

नई दिल्ली, 11 जुलाई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) के निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल विस्तार रद्द कर दिया, लेकिन 31 जुलाई 2023 तक उनके वर्तमान पद पर बने रहने की अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने शीर्ष अदालत के 2021 के एक फैसले (डॉ. जया ठाकुर बनाम भारत सरकार एवं अन्य) का उल्लंघन बताते हुए मिश्रा के कार्यकाल विस्तार को रद्द करने का फैसला सुनाया।

शीर्ष अदालत ने 2021 में एक परमादेश जारी कर मिश्रा को नवंबर 2021 से आगे बतौर निदेशक कार्यकाल विस्तार देने पर रोक लगायी थी। इसी फैसले को आधार बनाते हुए शीर्ष अदालत ने उनके कार्यकाल विस्तार पर रोक लगाई।

न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली इस तीन सदस्य पीठ ने विधायिका द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग (सी.वी.सी.) अधिनियम में किए गए संशोधनों को कानून सम्मत बताते हुए बरकरार रखा। संशोधनों के बाद केंद्र सरकार को ई.डी. निदेशक का कार्यकाल पांच साल तक बढ़ाने का अधिकार है। शीर्ष अदालत ने स्वयंसेवी संस्था कॉमन कॉज एवं अन्य की याचिका सुनवाई पूरी होने के बाद अपना फैसला सुनाया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ई.डी. निदेशक के कार्यकाल विस्तार पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर हमलावर विपक्ष पर पलटवार किया है। शाह ने मंगलवार शाम को ट्वीट करके कहा कि ई.डी. के मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर खुशी मनाने वाले कई कारणों से भ्रमित हैं। दरअसल, कांग्रेस ने ई.डी. प्रमुख संजय कुमार मिश्रा के तीसरे सेवा विस्तार को अवैध करार देने के बाद कहा कि यह सरकार के मुंह पर तमाचा है। पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आरोप भी लगाया कि सरकार का यही मकसद था कि, ई.डी. निदेशक को गैरकानूनी तरीकों से सर्विस विस्तार दिया जाए। अमित शाह ने कांग्रेस नेताओं के इस तरह के बयानों का जवाब दिया है। शाह ने एक तरीके से विपक्ष को याद दिलाते हुए कहा कि,

1-सी.वी.सी. अधिनियम में जो संशोधन संसद की ओर से विधिवत पारित किया गया था, उसे बरकरार रखा गया है।

2. भ्रष्ट और कानून के गलत पक्ष के साथ खड़े होने वालों पर कार्रवाई करने की ई.डी. की शक्तियां पहले की तरह ही रहेंगी।

3. ई.डी. एक ऐसी संस्था है जो किसी एक व्यक्ति से ऊपर है और इसका फोकस अपने मुख्य उद्देश्य पर है। जैसे कि मनी लॉन्ड्रिंग के अपराधों और विदेशी मुद्रा कानूनों के उल्लंघन की जांच करना है।

ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो पर 28% जी.एस.टी. लगेगी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (वार्ता)। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जी.एस.टी.) परिषद ने चार वस्तुओं पर जी.एस.टी.को कम करने के साथ ही कैंसर के लिए उपयोगी दवायें एवं खाने की वस्तुओं एवं निजी कंपनियों द्वारा उपग्रह प्रक्षेपण सेवाओं को भी जी.एस.टी. से मुक्त कर दिया है जबकि कसिनो, हॉर्स रेस के साथ ही ऑनलाइन

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जी.एस.टी. काउन्सिल की 50वीं बैठक के बाद यह जानकारी दी

गेमिंग पर 28 प्रतिशत जी.एस.टी. लगा दिया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिषद की 50वीं बैठक के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अनकुक्ड और अनफ्रायड स्नैक्स पर जी.एस.टी. को 18 प्रतिशत से कम कर 5 प्रतिशत किया गया है। इसी तरह से फिश सॉल्युब्ल पेस्ट पर भी जी.एस.टी. को 18 प्रतिशत से पांच प्रतिशत कर दिया गया है।

बैंगलुरु में पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर एयरोनिक्स ऑफिस के अंदर घुसा। वहां पर उसने फणीन्द्र सुब्रमण्या और वीनू कुमार की हत्या की और वहां से फरार हो गया।

घटना के बाद ऑफिस के अंदर कोहराम मच गया। आनन-फानन में फणीन्द्र सुब्रमण्या और वीनू को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी। घटना अमृताहल्ली के पंपा एक्सटैंशन में स्थित ऑफिस में हुई। घटना के तत्काल बाद अमृताहल्ली पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके अलावा डॉग स्क्वॉड और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट भी घटनास्थल पर पहुंचे और सबूत जुटाने शुरू कर दिए। मृतकों का शव मणिपाल अस्पताल भेजा गया है। वहीं, नॉर्थ ईस्ट बेंगलुरु के डी.सी.पी. लक्ष्मी प्रसाद ने कहा कि आरोपी फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

स्कूली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर चाकू, पत्थर और ज्वलनशील पदार्थ फेंकने का मामला सामने आया है। ज्वलनशील पदार्थ से 4 छात्राएं झुलस गई। छात्राओं को महुआ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार कर मांडलगढ़ रैफर किया गया। महुआ के महात्मा गांधी विद्यालय की प्रिंसिपल विमला देवी ने बताया कि स्कूल में कक्षा 6 में बालिकाएं पढ़ रही थी। इस दौरान कमरे की खिड़की में से शरारती तत्वों ने पहले चाकू व पत्थर फैंके। थोड़ी देर बाद ज्वलनशील पदार्थ फैंका। इस घटना में साक्षी कंवर, निशा जैन, गुंजन कंवर व क्षमा जैन झुलस गई। घटना की सूचना पर छात्राओं के अभिभावक स्कूल पहुँचे व हंगामा करने लगे। मांडलगढ़ अस्पताल में चारों छात्राओं को चिकित्सकों ने भर्ती कर उपचार शुरू किया। घटना की सूचना पर माण्डलगढ़ से उपखण्ड अधिकारी महेश गगोरिया, पुलिस उप अधीक्षक कीर्ति सिंह, थाना प्रभारी मनोज जाट मौक़े पर पहुँचे। बताया जा रहा है कि स्कूल के कमरे की खिड़की की तरफ कुछ गाडोलिया लुहार परिवारों ने अतिक्रमण कर रखा हैं। शरारती लड़के आए दिन यहां उत्पात मचाते रहते हैं। मांडलगढ़ थाना प्रभारी मनोज जाट ने बताया कि घटना की जांच की जा रही हैं। भीलवाड़ा व कोटा से आई एफ.एस.एल. टीम ने मौक़े से तरल पदार्थ के सैम्पल लिए हैं।

''अमृत काल'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकर चुनाव में उतरी थी। राहुल गांधी एवं कांग्रेस के ''मुहब्बत की दुकान'' नारे पर फोकस के चलते, भाजपा के थिंकटैंक को 2004 की स्थिति की संभावित पुनरावृत्ति की आशंका हो गई है। इस सम्बंध में भाजपा की चिन्ताएं हाल ही में पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के बयान में नजर आईं, जिन्होंने राहुल पर ''मुहब्बत की दुकान न चलाने'' का आरोप लगाया। भाजपा के कुछ लोग ऐसा महसूस करते हैं कि नड्डा का बयान अनावश्यक था, क्योंकि इस बयान से कांग्रेस के इस नारे का महत्व एवं प्रभाव को जनता के स्मृति -पटल पर ला दिया। भारत जोड़ो यात्रा के सम्पन्न होने के बाद, राहुल गांधी ''आम जनता के व्यक्ति'' के रुप में देखे जाने लगे हैं। और अब तो वे हरियाणा में किसानों के साथ धान की फसल को रोपते हुये और दिखाई दे गये हैं। कभी वे दिल्ली के मोटर साइकल मैकेनिकों के इस काम एवं धंधे की बारीकियां सीखते भी नजर आयें हैं। जहाँ ''अमृत काल'' शब्द युग्म यह संदेश देता है कि देश के विकास का लक्ष्य प्राप्त हो चुका है, वहीं ''कर्तव्य काल'' की शब्दावली यह धीर गंभीर संदेश देती प्रतीत होती है कि देश के विकास के लिये देशवासियों को काम करने की जरुरत है जिससे देश 2047 में वर्ल्ड ली डर के रुप में उभर कर आ सके।

रोचक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अच्छी खासी मात्रा एवं अनुपात में धन कमाया है।

मंत्रीगण एक-दूसरे के साथ नियमित रूप से कहीं ज्यादा समय ताश जैसे खेलों में गुजारते रहते हैं तथा उनके पास मंत्रालय के कार्यों, यहाँ तक कि अपने दफ्तर में बैठने के लिये भी समय प्राय: नहीं होता है। उन्होंने सामूहिक रूप से ऐसे इलाकों में बड़ी-बड़ी जमीनें खरीद रखी हैं, जो जिले बनाये जाने वाले थे, जिससे कि उन जमीनों की कीमतें अनाप-शनाप बढ़ जायें और उनकी मोटी कमाई हो जाये।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''कर्नाटक में भाजपा सरकार की जो छवि थी, राजस्थान में गहलोत सरकार की छवि भी वैसी ही या उससे बदतर ही है।

दिलचस्प बात यह है कि राज्य में फैले इस जबरदस्त एवं खुले भ्रष्टाचार के बावजूद, भाजपा इसे मुद्दे के रूप में उठाकर, जनता तक क्यों नहीं ले जा रही है। दोनों ही पक्षों में यह पारस्परिक समझबूझ बन चुकी है कि विधानसभा में हमारी कलई मत खोलिये, हम लोकसभा सीटें जीतने में आपकी पूरी मदद करेंगे।

गोल्डमैन सैक्स ने फिर अपनी आर्थिक भविष्यवाणी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए सब कुछ होते हुए भी देश गिरावट के चंगुल में फंस गया।

अपने साम्राज्यवाद के सपने को पूरा करने और आधी दुनिया पास में होने के बावजूद छोटे-छोटे देशों पर कब्जा करने के प्रयास में रूस ने विनाश का मार्ग अपना लिया। आज की वास्तविकता के विपरीत उनके पास सब कुछ था, मानव शक्ति, अपार संसाधन, जो किसी बड़ी अर्थव्यवस्था से ज्यादा थे। लेकिन फिर भी उसके राजनैतिक नेतृत्व ने उसे संकट में डाल दिया।

अगले स्थान पर चीन है पिछले लगभग साढ़े तीन दशक से उसकी उपलब्धियां उल्लेखनीय रही है। कोई देश अपनी विशाल गरीब जनसंख्या को इतना ऊपर नहीं उठा सका जितना विकास चीन ने किया।

चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को एक गलत राजनैतिक प्रचार- ''माओ त्से तुंग की सांस्कृतिक क्रांति'' से ऊपर उठाया जब जनता भूख और मौत के भीषण तांडव से त्रस्त हो चुकी थी। पुराने दमनकारी शासन के विपरीत उदार नीतियों से देंग सिआओ पिंग ने देश की सूरत ही बदल दी।

आज उदारीकरण के चालीस वर्ष बाद चीन विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अनुमान है कि 80 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं और आज दुनिया की कोई कंपनी चीन के बाजार के आकार को देखते हुए उसकी अनदेखी नहीं कर सकती।

आमूलचूल आर्थिक सुधारों के अलावा देंग ने राजनैतिक एवं संस्थागत सुधार भी किए जिनमें प्रमुख था, अधिकारवादी नियंत्रण से संस्थागत शासन की और मुड़ना। देंग पहले देख चुके थे कि कैसे अधिनायकवाद ने देश को बर्बाद कर दिया।

देंग ने शीर्ष पर सामूहिक शासन आरंभ किया ताकि एकाधिकार खत्म हो सके और सामूहिक निर्णय हो सके।

इसके साथ ही देंग ने शीर्षस्थ स्तर पर निर्धारित कार्यकाल का नियम लागू किया जिसके अनुसार चीन के राष्ट्रपति के 5-5 साल के दो कार्यकाल ही हो सकते थे।

चीन के वर्तमान नेता और राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यह नियम समाप्त कर अपना कार्यकाल आजीवन कर लिया है। उन्होंने खुद को चाटुकारों से घेर लिया है ताकि उनकी गलती पर कोई अंगुली नहीं उठाए।

चीन और रूस में विचित्र समानताएं हैं और दोनों के प्रमुख एक से रास्ते पर चल रहे है। दोनों ने हर तरीके से आजीवन सत्ता की व्यवस्था कर ली है और संस्थागत ढांचे को नष्ट कर दिया है।

इससे बढ़कर दोनों ही पुराने गौरव और सामंतवादी सपनों में डूबे हैं। रूस के नेता तो पीटर द ग्रेट की तरह पूर्वी यूरोप में विशाल साम्राज्य का सपना देख रहे हैं।

चीन का तानाशाह हमेशा चीन के गौरव और नियमों को प्रसारित करने की बात करता है।

शी के अनुसार चीन की सीमा उसके ऐतिहासिक साम्राज्य से आगे जापान, कोरिया और पूरे दक्षिण पूर्व एशिया तक फैली है और दक्षिण चीन सागर को चीन अपनी सीमा में बता रहा है।

शी की महत्वाकांक्षा वहीं समाप्त नहीं हुई, वह भारत के भी कई भागों पर दावा करता है। शी रूस से मुकाबला करते हैं, जो कज़ाकिस्तान, तुर्कमेकिस्तान और सोवियत गणराज्य के अन्य देशों पर अपना प्रभुत्व मानता है।

यूक्रेन हमले से पूर्व रूस और चीन ने स्वयं को श्रेष्ठ मित्र घोषित किया लेकिन अब दोनों में तलवारें खिंच सकती हैं। रूस, चीन से लगे उत्तर पूर्वी एशियाई देशों पर कब्जा चाहता है जबकि चीन व्लादीवोस्तोक को अपना बताता है।

चीन अपने सभी 14 पड़ोसियों से सीमा के झगड़े आरंभ कर चुका है। इसकी सबसे लम्बी अंतर्राष्ट्रीय सीमा है, करीब 24 हजार किलोमीटर और वह दुनिया के समुद्रों पर भी दावा करता है।

चीन का हश्र भी उसके श्रेष्ठ मित्र रूस जैसा होने वाला है उसकी विशाल अर्थव्यवस्था बिखर रही है। तकनीकी उद्यम भी नष्ट हो रहे हैं। वह विदेशी निवेशकों को कम्युनिस्ट पार्टी के नियमों में बांधना चाहता है।

2075 में भारत पहले या दूसरे स्थान पर होगा और अमेरिका उसके नज़दीक आने का प्रयास करेगा।

इस साल के आर्थिक परिणाम कोविड से पहले वाली स्थिति का संकेत दे रहे है। अगर कोविड नहीं होता तो हम और ऊर पहुंचते।

उम्मीद है गोल्डमैन सैक्स का पूर्वानुमान सही सिद्ध होगा।

खेतड़ी ट्रस्ट को ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकास महाजन की खंडपीठ ने यह आदेश खेतड़ी ट्रस्ट की अपील पर दिए। ट्रस्ट की ओर से कहा गया है कि खंडपीठ ने आदेश में स्पष्ट किया कि एकलपीठ ने मामले में गलत फैसला दिया था, क्योंकि वर्ष 1985 में वसीयत जमा कराने के दौरान एक गवाह ने तीस हजारी कोर्ट के रजिस्ट्रार के समक्ष ही राजा राय बहादुर सिंह की पहचान की थी।

मामले के अनुसार राजा राय बहादुर सरदार सिंह खेतड़ी के 11वें शासक थे। उन्होंने विदेश में पढ़ाई की और राज्य सभा सांसद सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर रहे। वे लाओस में भारत के राजदूत भी थे। सरदार सिंह की वर्ष 1987 में मृत्यु होने के साथ ही उनकी वसीयत का विवाद शुरू हुआ। वहीं राजस्थान सरकार ने भी उनके कोई संतान नहीं होने के चलते उनकी संपत्तियों को लावारिस मानते हुए राजस्थान एस्चीट्स रेगुलेशन एक्ट,1956 के तहत कब्जा ले लिया। इन संपत्तियों पर कब्जा कर सार संभाल के लिए रिसीवर भी नियुक्त कर दिया। खेतड़ी ट्रस्ट का दावा है कि सरदार सिंह ने 1985 में वसीयत की थी। इसमें शिक्षा अनुसंधान कार्यों के लिए सारी प्रॉपर्टी को ट्रस्ट के पक्ष में देने के लिए कहा था। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट ने 2012 में ट्रस्ट के खिलाफ फैसला देते हुए वसीयत नामे की कानूनी वैधता पर सवाल उठाए थे।

शरद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के घोटाले के आरोप हैं जिनमें महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक घोटाला, सिंचाई घोटाला और अवैध खनन घोटाला शामिल है।

2016 में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि गुजरात की राजनीति के आरंभिक दिनों में शरद पवार ने उनका हाथ थामा था।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600